डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

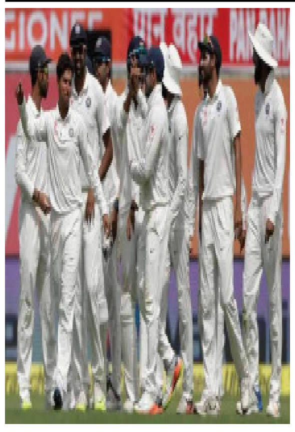
PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

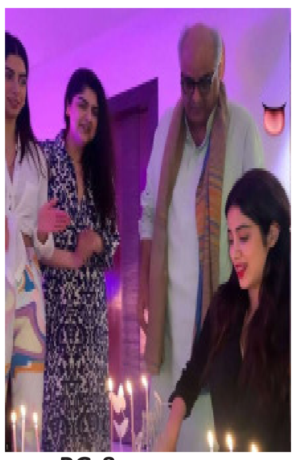
PG-8

सिनेमाः जान्हवी कपूर के बर्थडे की अनदेखी तस्वीरें आई सामने

वर्ष -08 अंक -08 | प्रयागराज, मंगलवार 08 मार्च , 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अगले 24 घंटों के दौरान देश में किन स्थानों पर होगी बारिश जानें मौसम का हाल

नई दिल्ली। देशभर में अगले 24 घंटों में मौसम अपनी करवटें बदलने वाला है। जम्मू कश्मीर से लेकर तमिलनाडु के अलग-अलग स्थानों पर मौसम मेक हलचल होगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देश में कई जगहों स्पर हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है, जिसमें 7 मार्च और 9 मार्च को जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में छिटपुट बारिश होने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा इन क्षेत्रों में व्यापक प्रकाश, मध्यम वर्षा, बर्फबारी होने के साथ बिजली भी गिरने के आसार जताए गए हैं। वहीं कश्मीर घाटी में भारी बारिश या फिर बर्फबारी भी हो सकती है। मौसम हर नए दिन के साथ अपना रंग बदल रहा है। 7 से 10 मार्च, 2022 के दौरान महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, पूर्वी राजस्थान और पश्चिम मध्य प्रदेश में अलग-अलग गरज के साथ हल्की और छिटपुट बारिश होने की संभावना है। आठ मार्च को राजस्थान के मौसम में हलचल रहेगी। राज्य के कई हिस्सों, के साथ हरियाणा के कुछ जगहों, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के विभिन्न हिस्सों में बारिश की गतिविधियां होंगी। नौ मार्च तक, दिल्ली एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी हल्की बारिश या गरज के साथ बारिश हो सकती है। इसके अलावा, अगले 24 घंटों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में हल्की से मध्यम बारिश / गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है, इसके बाद मौसम का अंदाज थोड़ा सामान्य रहेगा।

रूस और यूक्रेन युद्ध का आज 13वां दिन, विधानसभा चुनाव के एक्जिट पोल आए सामने

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के आज 13 दिन हो गए हैं। दोनों देशों के बीच लगातार हमले जारी हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच मध्यस्थता करने के लिए दूसरे देश भी तैयार हैं। इसके बावजूद रूस और यूक्रेन के बीच हालात सुधर नहीं रहे हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के एक्जिट पोल सामने आ गए हैं। उत्तर प्रदेश में सातवें और आखिरी चरण के लिए मतदान संपनन्न होते ही पांच राज्यों को लेकर आए एक्जिट पोल में भाजपा को बड़ा फायदा दिख रहा है। एक्जिट पोल के मुताबिक दूसरी बार भाजपा को सत्ता मिल सकती है। वहीं पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता में आ सकती है। उत्तराखंड में भाजपा-कांग्रेस में कांटे की टक्कर होती दिख रही है। हालांकि अनुमान है कि भाजपा सरकार बचा लेगी। गोवा में ज्यादातर एक्जिट पोल त्रिशंकु नतीजों का अनुमान लगा रहे हैं और मणिपुर में भाजपा कांग्रेस से आगे खड़ी दिख रही है।

बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 3,993 नए मामले, 50 हजार से कम हुए एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले तेजी से घट रहे हैं। मंगलवार को कोरोना के नए मामले 4 हजार से नीचे आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 24 घंटे में कोरोना के 3,993 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि, मृतकों की संख्या फिर 100 के पार पहुंच गई है। इस दौरान कोरोना से 108 लोगों की मौत हुई है जबकि कल यानी सोमवार को कोरान से सिर्फ 65 लोगों की मौत हुई थी। देश में कोरोना के एक्टिव केस भी तेजी से कम हो रहे हैं।

20,000 भारतीय नागरिकों में से 16 हजार को सरकार ने निकाला, यूक्रेन बार्डर पर अब भी हैं 3000

नई दिल्ली। यूक्रेन पर जारी हमलों के बीच बड़ी संख्या में वहां से भारतीयों को निकाला गया है। युद्धग्रस्त देश से भारतीय छात्रों की निकासी को लेकर केंद्र सरकार द्वारा आपरेशन गंगा अभी भी चलाया जा रहा है। आपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से हजारों भारतीय नागरिकों को वापस लाए जाने पर केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने सोमवार को भारतीय दूतावासों की जमकर तारीफ की है। समाचार एजेंसी एएनआइ से बात करते हुए मुरलीधरन ने कहा कि 20,000 भारतीय नागरिकों में से हम 16,000 से अधिक नागरिकों को निकालने में सक्षम हुए हैं। लगभग 3,000 नागरिक अभी भी यूक्रेन के पड़ोसी देशों में हैं। सूमी क्षेत्र में लगभग 600 छात्र हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि दूतावास उन्हें निकालने की व्यवस्था में जुटे हुए हैं। बता दें कि केंद्र ने आपरेशन गंगा के तहत भारतीय छात्रों को निकालने के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों से उड़ानों की व्यवस्था की है। वहीं, यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दोनों से बात की है। इस बीच, यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई के बाद तनाव बढ़ गया है और सरकार ने आपरेशन गंगा के तहत भारतीय छात्रों को निकालने के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों से उड़ानों की व्यवस्था की है। रविवार को भारत सरकार ने कहा कि उसने 22 फरवरी से अब तक यूक्रेन के करीब 16,000 भारतीय छात्रों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों से उड़ानों के जरिए निकाला गया है। बता दें कि केंद्र ने आपरेशन गंगा के तहत भारतीय छात्रों को निकालने के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों से वहीं, यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दोनों से बात की है।

रूस और यूक्रेन जंग में अमेरिका ने भारत को मुश्किल में डाला जानें मोदी सरकार के समक्ष क्या है बड़ी चुनौती एक्सपर्ट व्यू

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन जंग से उपजे हालात के बाद भारत की स्थिति उहापोह की बन गई है। भारतीय विदेश नीति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है। दरअसल, रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद माको और अमेरिका के बीच सामंजस्य बनाए रखना भारतीय विदेश नीति के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। आइए जानते हैं कि भारतीय विदेश नीति के समक्ष यह चुनौती क्यों है। आखिर रूस और यूक्रेन जंग से भारत का क्या लेना देना है। रूस और अमेरिका भारत के लिए क्यों अहम हैं। इन सब मामलों में विशेषज्ञों की क्या राय है। 1- प्रो हर्ष वी पंत रूस और यूक्रेन जंग में भारत के स्टैंड को जायज मानते हैं। उनका कहना है कि अभी तक भारत सरकार रूस और अमेरिका के साथ संबंधों में संतुलन बनाने में सफल रहा है। हालांकि, पंत का कहना है कि भारत के समक्ष दोनों देशों के साथ संतुलन बनाए रखने की चुनौती अभी भी बरकरार है। उनका मानना है कि आने वाले समय में यह चुनौती और बढ़ेगी। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत किस रणनीति के साथ आगे अपने संबंधों का निर्वाह करता है। है कि रूस यूक्रेन जंग में अमेरिका ने जिस तरह से भारत पर दबाव बनाया है, उससे नई दिल्ली की चुनौती और बढ़ गई है। बता दें कि बाइडन प्रशासन ने भारत पर रूस के खिलाफ अपनी स्थिति को स्पष्ट करने के लिए दबाव बनाया है। गुरुवार को क्वाड देशों की बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह कहा था कि रूस के यूक्रेन पर हमले को लेकर कोई बहाना या टालमटोल नहीं चलेगा। बाइडन प्रशासन का यह इशारा कहीं न कहीं भारत के लिए भी था, क्योंकि क्वाड देशों में जापान और आस्ट्रेलिया खुलकर रूस की निंदा कर रहे हैं। दोनों देश इस मामले में अमेरिका के साथ खड़े हैं। 3 उन्होंने कहा कि अमेरिकी सीनेट में भारत के रुख पर चर्चा होना एक गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने भले ही मतदान में हिस्सा नहीं लिया हो, लेकिन उसने युद्ध को किसी भी रूप में जायज नहीं ठहराया। भारत ने साफ किया था कि वह किसी भी हाल में युद्ध के पक्ष में नहीं है। सुरक्षा परिषद में मतदान से खुद को दूर रखने के बावजूद भारत ने यूक्रेन में मानवीय सहायता पहुंचाने की पहल की है। भारत ने खुद को संयुक्त राष्ट्र के उस चार्टर से भी दूर नहीं रखा है, जिसमें रूस से संयम और युद्ध समाप्त करने की अपील की गई है। भारत भी समस्या का हल बातचीत के जरिए ही चाहता है। 4- प्रो पंत का कहना है कि भारत के समक्ष यह एक बड़ी परीक्षा की घड़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका के साथ भारत का आर्थिक और सामरिक सहयोग काफी बढ़ा है, वहीं भारत रूस पर रक्षा से जुड़े उत्पादों की सप्लाई को लेकर निर्भर रहा है। वर्ष 2018 में ही भारत ने रूस के साथ दूर तक मार करने की क्षमता रखने वाली सर्फेस टू एयर मिसाइल की आपूर्ति के लिए 500 करोड़ अमेरिकी डालर के समझौते पर हस्ताक्षर किया था। रूस ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यूक्रेन में चल रहे उसके सैन्य अभियान का कोई असर भारत को की जाने वाली मिसाइल आपूर्ति पर नहीं पड़ेगा और वो तय समय सीमा में ही भारत को दे दी जाएगी। 25 फरवरी को सुरक्षा परिषद में रूस के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव पर भारत वोटिंग से बाहर रहा था। भारत के इस कदम की रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था कि भारत ने स्वतंत्र रुख अपनाया है। हालांकि, इस फैसले को लेकर अमेरिका ने एक सधी हुई प्रतिक्रिया दी थी। भारत के इस फैसले का विरोध अमेरिका ने प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया था। लेकिन संयुक्त राष्ट्र महासभा की होने वाली बैठक में भारत ने अभी तक कुछ नहीं कहा है।इसके पूर्व सुरक्षा परिषद में रूस के खिलाफ प्रस्ताव पर हुई वोटिंग से भारत चीन और यूएई बाहर थे। इन तीन मुल्कों ने वोटिंग में रूस के खिलाफ मतदान किया था, जबकि 11 मुल्कों ने पक्ष में मतदान किया। यह वोटिंग प्रक्रियात्मक थी, इसलिए इसमें वीटो का प्रावधान नहीं था। ऐसे में बहुमत से आम सभा बुलाने का प्रस्ताव पास हो गया। रविवार को एक बार फिर से भारत, यूएई और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन पर रूसी हमले के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की आम सभा बुलाने के लिए हुई वोटिंग से बाहर रहे। गौरतलब है कि भारत और यूएई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थाई सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र की आम सभा की बैठक 28 फरवरी को न्यूयार्क में हुई थी।

यूक्रेन में रह रहे इस भारतीय डाक्टर ने पाल रखे हैं ब्लैक पैंथर और जगुआर, अपने पेट्स को छोड़कर इंडिया आने से किया इनकार

डोनबास। यूक्रेन में फंसे भारतीयों की वापसी के लिए चलाया जा रहा 'आपरेशन गंगा' अपने निर्णायक मुकाम पर है। भारत सरकार की ओर से जारी इस अभियान के बीच कुछ दिलचस्प कहानियां भी सामने आ रही हैं। इन्हीं में एक भारतीय डा. गिरिकुमार पाटिल की कहानी भी है जो अपने पालतू पशुओं के बिना भारत नहीं लौटना चाहते हैं। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक सेवेरोडनेतस्क शहर में रहने वाले इस भारतीय डाक्टर ने अपनी पालतू बड़ी बिल्लियों- एक ब्लैक पैंथर और जगुआर को साथ लिए बिना यूक्रेन छोड़ने से इनकार कर दिया है। साल 2007 से यूक्रेन में रह रहे डा. गिरिकुमार पाटिल एक और एक इनूएंसर भी हैं। उन्होंने कहा- मैं मूल रूप से आंध्र प्रदेश से हूं। साल 2007 में एमबीबीएस करने के लिए यूक्रेन आया था। मैंने 2014 में अपना कोर्स पूरा किया। साल 2019 से मैं बंगाल टाइगर जैसी बड़ी बिल्लियां पालना चाहता था। अब मेरे पास कुछ बड़ी बिल्लियां हैं। डा. गिरिकुमार पाटिल को यूक्रेन में जगुआर कुमार के नाम से भी जाना जाता है। डा. गिरिकुमार पाटिल कहते हैं कि मैंने अपने शौक के बारे में कीव चिड़ियाघर से बात की। अपने पालतू जानवर की ओर इशारा करते हुए पाटिल ने कहा कि यह जगुआर असल में एक तेंदुए और एक काले जगुआर के बीच का क्रासब्रीड है और बहुत दुर्लभ है। जगुआर की उम्र 20 महीने है जबकि ब्लैक पैंथर छह महीने का हो चुका है। पाटिल ने अपनी बड़ी बिल्लियों के बिना यूक्रेन छोड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए ये मेरे पालतू जानवर नहीं हैं। मैं इनके साथ पालतू जानवरों की तरह व्यवहार नहीं करता वरन इन्हें अपने बच्चों की तरह मानता हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने अपने पालतू जानवरों को साथ ले जाने के बारे में अधिकारियों से बात की है। उनका कहना है कि उन्होंने दूतावास को फोन किया लेकिन उचित प्रतिक्रिया नहीं मिली। वैसे पाटिल कोई अकेले नहीं हैं जिन्होंने अपने पालतू जानवरों को यूक्रेन में ही छोड़ने से इनकार कर दिया है। इस बारे में पहले भी कुछ रिपोर्टें सामने आ चुकी हैं।

फिलीस्तीन में भारतीय राजदूत मुकुल आर्य का निधन, दूतावास में मिला शव, विदेश मंत्री ने जताया शोक

फिलीस्तीन। फिलीस्तीन में भारतीय राजदूत मुकुल आर्य का निधन हो गया है। मुकुल आर्य का शव रामल्ला स्थित भारतीय दूतावास में पाया गया है। स्थानीय मीडिया ने रविवार को ये जानकारी दी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुकुल आर्य के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'रामल्ला में भारत के प्रतिनिधि श्री मुकुल आर्य के निधन के बारे में जानकर गहरा सदमा लगा। वह एक उज्ज्वल और प्रतिभाशाली अधिकारी थे। अभी उनके सामने बहुत कुछ था। ओम शांति। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने भी राजदूत मुकुल आर्य की आकस्मिक मृत्यु पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, 'ये वाकई चौंकाने वाला है। एक अद्भुत सहयोगी ने इतनी छोटी उम्र में छीन लिया गया। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना हैं।' फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय राजदूत की रामल्ला में उनके कार्यस्थल पर ही निधन हो गया। उन्होंने शव को भारत पहुंचाने के लिए विदेश मंत्रालय से संपर्क किया है।

जेलेंस्की के बाद पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से 50 मिनट तक बात

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बाद पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत की है। दोनों नेताओं के बीच करीब 50 मिनट तक बातचीत हुई। मोदी और पुतिन ने यूक्रेन के ताजा हालात पर बातचीत की। राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन और रूसी टीमों के बीच वार्ता की स्थिति के बारे में पीएम मोदी को जानकारी दी। पीएम मोदी ने इस बातचीत के दौरान पुतिन से जेलेंस्की से बात करने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने सूमी सहित यूक्रेन के कुछ हिस्सों में संघर्ष विराम की घोषणा और मानवीय गलियारे बनाने के कदम की सराहना की। मोदी ने सूमी से भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकालने पर भी जोर दिया। वहीं, राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

पुडुचेरी को मिली बड़ी राहत, कोविड 19 का कोई ताजा मामला नहीं आया सामने

पुडुचेरी। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से भारत की जंग जारी है। महामारी की तीसरी लहर में वायरस का नया वैरिएंट ओमिक्रोन तेजी से पूरे देश में फैला। लेकिन अब धीरे-धीरे वायरस के नए मामलों में कमी देखने को मिल रही है। वहीं महामारी के इस दौर में एक बड़ी राहत देने वाली खबर सामने आई है। सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी से शून्य ताजा कोविड-19 मामलों की रिपोर्ट दी गई है। स्वास्थ्य निदेशक जी श्रीरामुलु ने एक प्रेस विज्ञप्ति में सोमवार को कहा कि केंद्र शासित चार क्षेत्रों पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यनम में परीक्षण किए गए कुल 157 नमूनों में से वायरल संक्रमण के शून्य मामले दर्ज किए गए हैं । वहीं रविवार सुबह 10 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों में 454 नमूनों की जांच के अंत में नए संक्रमणों की पहचान की गई, जिसमें पुडुचेरी से (2) और कराईकल से (एक) मामले ही सामने आए थे, जबकि माहे और यनम के अन्य दो बाहरी क्षेत्रों में कोई ताजा मामला नहीं दर्ज किया गया।

सुमी में फंसे भारतीय छात्र ने वीडियो जारी कर बताए युद्ध के हालात, कहा खाने-पीने के सामान को लेकर भी हो रही हैं मुश्किलें

नई दिल्ली। युद्ध के बीच सुमी में फंसे एक भारतीय छात्र ने वीडियो संदेश जारी कर अपना दर्द बयां किया है। सामाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक छात्र ने बताया है कि वो पिछले 10 दिनों से यहां फंसा हुआ है। वो लगातार अपनी निकसी का इंतजार कर रहा है, लेकिन उसे अब उम्मीद की कोई किरण नजर नहीं आ रही है। वीडियो संदेश में छात्र ने बताया कि वो सुमी स्टेट यूनिवर्सिटी में मेडिकल का छात्र है। जिस जगह पर वो फंसा हुआ है, वहां पिछले कई दिनों से बिजली नहीं है। साथ ही अब खाने पीने के सामान को लेकर भी दिक्कतें सिर उठाने लगी हैं। इलाके में खाद्य सामान की आपूर्ती करने वाले दुकानदार कार्ड नहीं ले रहे हैं। वहीं एटीएम मशीनों में नकदी समाप्त हो चुकी है, जिसके चलते खाने का समान समेत वो किसी भी तरह की खरीदारी नहीं कर पा रहे हैं। बताया जा रहा है कि सूमी में लगभग 700 भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। जो पिछले कुछ दिनों से रूसी और यूक्रेनी सैनिकों के बीच बढ़े तनाव को प्रत्यक्ष तौर पर देख रहे हैं। भारतीय सरकार सुमी से अपने नागरिकों को निकालने की कोशिश कर रही है, लेकिन भारी गोलाबारी और हवाई हमलों के कारण कई दिक्कतों का समाना करना पड़ रहा है। सुमी में फंसे एक अन्य भारतीय छात्र आशिक हुसैन सरकार ने पीटीआई को बताया कि, 'हमारा हौसला कम होता जा रहा है, हम हतोत्साहित महसूस कर रहे हैं, लेकिन हम अभी भी एक अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। सुमी में फंसे भारतीय छात्रों ने शनिवार को वीडियो संदेश जारी कर घोषणा की थी कि वो तमाम मुश्किलों का सामना करते हुए रूस की सीमा तक पैदल जाएंगे।

महिलाऐं बायोजिकल कमजोर नहीं, क्योंकि वह जननी होती है: मंजू रानी चौहान

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राजर्षी टण्डन सेवा केन्द्र बैंक रोड प्रयागराज में अखिल भारतीय महिला परिषद् शहर शाखा एवं लोक सेवक मण्डल और सामाजिक एकता परिषद् के तत्वावधान में मातृ शक्ति सम्मान 2022 कार्यक्रम सम्पनन्न हुआ। इस कार्यक्रम में शहर की सात विशिष्ट क्षेत्रों में कार्य करने वाली पद्मश्री डॉ0 राज बवेजा, डॉ0 वीना सिंह, प्रभा भार्गव, डॉ0 गीता सिंह, मंजू शर्मा, रसीदा खान, उषा गुप्ता को अंग वस्त्र, मोमेन्टो एवं बुके श्रीफल आदि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर पुरूष के कामयाबी के पीछे किसी न किसी महिला का हाथ होता है। ऐसे में यदि महिलायें एक माता, एक बहन, एक सास के रूप में एक दूसरी महिलाओं का सहयोग करें तो महिलायें ऊंचे एवरेस्ट और चाँद तक का सफर तय कर सकती है और किया है। जिन महिला शख्सियत को हम सम्मानित कर रहें है उनका आर्शिवाद हमें चाहिए उन्हें सम्मानित करते हुये हम स्वंय सम्मानित हो रहे है। इस दौरान न्यायमूर्ति मंजू रानी ने 35 महिलाओं को सामाजिक कार्यों एवं विशेष क्षेत्र में कार्य करने के लिए सम्मानित करते हुये कहा कि महिलाऐं बायोजिकल कमजोर नहीं, क्योंकि वह जननी होती है। महिलायें

कम्पीटीशन के माध्यम से आगे रहती है, वो पैरवी के कारण पीछे रहती है। अध्यक्षता कर रहे लोकसेवक मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चोपड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि राजनैतिक रूप से पिछड़े होने के कारण महिलाओं को सत्ता में प्रतिनिधित्व कम है। नारी को सशक्त करने हेतु कई कानून बने है, फिर भी त्वरित न्याय नहीं होता वही पर महिलाओं द्वारा कानून का दुरूपयोग करने के कारण इसका दुस्प्रभाव महिलाओं के रोजगार पर पड़ रहा है। विशिष्ट अतिथि जमनोत्री गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को शिक्षित हो कर समाज में अपनी भूमिका तय करनी चाहिए, महिलाओं के पिछड़ापन का कारण शिक्षा, स्वास्थ्य एवं गरीबी है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सामाजिक एकता परिषद् के अध्यक्ष ओम प्रकाश शुक्ल ने कहा कि महिलाओं के उत्पीड़न एवं त्वरित न्याय के लिए फास्ट कोर्ट का गठन होना चाहिए। अपर स्थायी अधिवक्ता सुभाष राठी ने कहा कि बच्चियों को सशक्त व स्वालम्बी एवं आत्मनिर्भर बनना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन लोकसेवक मण्डल के सचिव ब्रह्म प्रकाश तिवारी एवं आभार कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ट समाजसेवी शिक्षक श्रीनारायण यादव ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। स्वागत गीत कवित्री रश्मि शुक्ला ने गाया। कार्यक्रम को अखिलेश मिश्र अध्यक्ष सी0 डब्लू0 सी समाज सेविका कविता त्रिपाठी यादव, कर्मचारी नेता रविशंकर मिश्र, डॉ0 स्वीटी मौर्या, डॉ0 नम्रता यादव, नाजरा बक्श, डॉ0 अर्चना सिंह, वरिष्ट समाजसेविका प्रेम लता शुक्ला, रश्मि पोद्दार, फरिदा परवीन, अधिवक्ता कार्तिके, डॉ0 ईशान्या राज, प्रमिला कुशवाहा, जावेद सिद्दीकी निदेशक एन0 जी0 आई0 टी0, राहुल देव आजाद, गुड्डू पंडित, रवि कुमार, शानू केसरवानी, सीमा, प्रीति त्रिपाठी, प्रभा द्विपाठी, चंदन निषाद, अधिवक्ता अश्विनी कुमार, सुश्री पद्मावती रीना देवी, शिखा गुप्ता, सुषमा मौर्या, अमित कुमार पाण्डेय, अभिषेक राज, अधिवक्ता विनीत, सचिन सिंह, अन्नू गुप्ता, हरीश आदि ने सम्बोधित किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी ने मतगणना कार्मिकों के लिए दिए जा रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता
प्रयागराज। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी श्री संजय

कुमार खत्री ने बिशप जान्सन स्कूल में चल रहे मतगणना कार्मिकों के प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतगणना कार्मिकों को दी जा रही प्रशिक्षण की जानकारी ली तथा मास्टर टेड्डनर को निर्देशित किया कि जो भी कार्मिक मतगणना में लगाये गये है, उन्हें प्रत्येक बिन्दुओं की जानकारी होनी चाहिए तथा वीवीपैट मशीन आदि का भी जानकारी होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि, डीडीओ श्री ए0के0 मौर्या सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शान्ति भंग के आदेश पर दो अभियुक्तो को भेजा गया न्यायालय-थाना खीरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी
कोरांव (प्रयागराज)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज के द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाऐ जा रहे अभियान के तहत थाना स्थानीय पर एनसीआर नम्बर 19/2022 धारा 323/504 पंजीकृत हुआ था जिसमें एक पक्षीय1-बब्लू बिन्द पुत्र लक्ष्मण बिन्द 2-शिवाजी पुत्र राम बिन्द निवासी ग्राम पंचायत धोबहट थाना खीरी जनपद

पुलिस अधीक्षक यमुनापार के निकट निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी मेजा के निकट पर्यवेक्षण में व थाना प्रभारी निरीक्षक बैकुण्ठनाथ पाण्डेय के नेतृत्व में खीरी पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम धोबहट में मारपीट व गाली-गलौज के विवाद को लेकर प्रयागराज को गिरफ्तार कर भेजा गया। जानकारी अनुसार तहसील कोरांव के थाना क्षेत्र खीरी के ग्राम पंचायत धोबहट के बब्लू बिन्द पुत्र लक्ष्मण बिन्द उम्र लगभग अठत्तीस वर्ष व शिवाजी पुत्र रामबिन्द उम्र करीब चालीस वर्ष है।

खीरी पुलिस ने गुडिया हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त को धर दबोचा-थाना प्रभारी बैकुण्ठनाथ पाण्डेय

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी
कोरांव प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के गांव स्थित हरदिया सुभाष माइनर पर बीते गुरुवार की सुबह गातसुरैया निवासी विवाहिता गुडिया

पतनी राकेश कोल की लाश निर्वस्त्र अवस्था में पड़ी हुई मिली थी ग्रामीणों की सूचना व मृतका के परिजनों की मौजूदगी में कोरांव पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और जांच पड़ताल में जुट गई थी खीरी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सुरैचा पप्पू पटेल पुत्र बेचन लाल को थानाध्यक्ष खीरी बैकुंठ नाथ पांडे हमराहीयो के साथ मोबाइल के लोकेशन के आधार पर गिरफ्तार कर लिया उच्चा अधिकारियों के अनुसार आदेश का पालन करते हुए विवेचक थाना कोरांव को सुपुर्द कर दिया गया है बयान में शराब पीने एवं उडि़या को शराब पिलाने के बाद कपड़े से गर्दन दबा कर मृत्यु के घाट उतार दिया था इलाकाई लोगों में कानून व्यवस्था का भरोसा जगा हुआ है गिरफ्तारी को लेकर खीरी थाना अध्यक्ष के प्रति लोगों में हर्ष व्याप्त है।

विधुत विभाग के संविदा कर्मियों ने कार्य पर लौटे, मिला बकाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी
मेजा प्रयागराज। धरनारत विद्युत कर्मचारियों का बकाया मानदेय मिलने के पश्चात कर्मियों का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार आंदोलन समाप्त हो गया। श्रमिकों का एक माह का बकाया राशि बिजली विभाग की ओर से शनिवार को उनके खाते में पहुंचा गया। इसकी सूचना मिलते ही कर्मचारियों ने आंदोलन वापस ले लिया। विद्युत विभाग संविदा कर्मी नेता एससी बहादुर ने कर्मचारियों से कहा कि सभी श्रमिक अपने बिजली उपकेंद्र पर सुचारू रूप से कार्य करने में जुट जाएं। बता दें कि जनवरी फरवरी माह का ईपीएफ के बकाए को लेकर श्रमिकों ने एक दिन पहले पांच मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की धमकी दी थी। उक्त संबंध में एक्सीडेंट राकेश तिवारी ने बताया कि शनिवार को सभी संविदा कर्मियों का पेमेंट हो गया जिससे संविदा कर्मचारियों ने काम पर लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि होली से पहले दूसरा पेमेंट भी कर्मचारियों के खाते में आ जाएगा।

यूक्रेन से लौटे छात्र का खीरी में किया गया भब्य स्वागत और सम्मान

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी
कोरांव प्रयागराज। यूक्रेन में एमबीबीएस का फीस कम है। जिसके कारण कोरांव तहसील क्षेत्र के गजनी भगेसर निवासी एक किसान राकेश कुमार सिंह पटेल ने अपने इकलौता पुत्र संदीप कुमार

सिंह पटेल को चार दिसंबर 21को अपने देश से यूक्रेन भेज दिये थे।लेकिन वर्तमान समय में यूक्रेन में हालात बिगड़ा हुआ है।जिसके कारण संदीप को अपनी पढ़ाई छोड़ कर वापस अपने वतन भारत लौटना पड़ा।संदीप सरदार पटेल इंटर कालेज से इंटर का पढ़ाई करने के पश्चात नीट परीक्षा पास के बाद यूक्रेन जाने हेतु बन गया था। उसने बताया कि अपने देश में एमबीबीएस की पूरी पढ़ाई करने की फीस लगभग एक करोड़ है जबकि यूक्रेन में बत्तीश लाख ही है।मुझे यूक्रेन में विन्निस्त्या नेशनल पाइरो गवर्मेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में दाखिला मिला था।पढ़ाई सभी तरह से ठीक चल रहा था।अचानक यूक्रेन में युद्ध होने लगा।वहां प्रशासन कमजोर हो गया।हास्टल से हम सभी को कालेज यह कहते हुए बुलाया गया कि यहां पर आप सब सुरक्षित रह सकते हैं। यूक्रेन में इस समय बर्फ भारी हो रही है,छात्रों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।लेकिन भय के कारण हम सब भारतीय तिरंगा लगे हुए बस से रोमानिया का राजधानी बुचारेस्ट पहुंचा।तिरंगा लगे हुए वाहन को रूस के सैनिक सम्मान करते हुए आगे जाने दे रहे थे। कुछ अन्य देश से आए हुए छात्र भी तिरंगा लगे हुए वाहन में बैठ कर हवाई अड्डा पहुंच रहे थे। बुचारेस्ट से दिल्ली पहुंचने पर यूपी सरकार से भेजी गई वाहन से मैं सीधे अपने घर पांच मार्च को भगेसर कोरांव पहुंचा।रास्ते में निःशुल्क नाश्ता भी कराया गया था। अपने पिता राकेश कुमार सिंह पटेल के कहने पर ओमकार नाथ केशरवानी भाजपा नेता निवासी खीरी से मिलने पहुंचा।ओमकार नाथ केशरवानी हमारे पिता जी के नजदीकी मित्र है।इनके द्वारा वर्तमान सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सहूलियत की जानकारी मिलने मन में खुशी हो रही थी। कि हम अपने देश भारत पहुंच जाऊंगा।संदीप कुमार सिंह पटेल के खीरी आगमन पर आयोजित सम्मान समारोह में खीरी छेत्र से जिला पंचायत सदस्य कुशुम केशवानी ने साल भेट कर समनिन्त किया।समारोह में जिला पंचायत सदस्य ने कहीं कि अगर देश में मोदी है तो सब कुछ संभव है।मौके पर नन्दू शुक्ला,अशोक पांडेय,जगदीश केशरवानी महेश केशरवानी समेत कई लोग मौजूद रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

सीएमओ ने पीएचसी हरहुआ व सीएचसी पुआरी कला का किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यस

हरहुआ/ वाराणसी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरहुआ व सीएचसी पुआरी कला का सोमवार को सुबह लगभग दस बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी वाराणसी डॉ0 संदीप चौधरी व डॉ0ए0के0 मौर्य द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। जहां कुछ कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए । पीएचसी प्रभारी डॉ0 आर0 के0 सिंह द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी वाराणसी को अवगत कराया गया कि कुछ स्टाफ जिनकी ड्यूटी फील्ड व पोलिंग स्टेशन पर लगया है वह सात बजे से वहां ड्यूटी कर रहे हैं। वहीं पीएचसी के उपस्थिति पंजिका में हिमांशु चौरसिया, सच्चिदानंद, मदन कुमार ,विवेक कुमार, रोज मैरी बोथा ,डॉ0 मनु चतुर्वेदी डॉ0 अब्दुल जावेद अनुपस्थित रहे। जिनसे स्पष्टीकरण कार्यालय में लिखित जमा करने के लिए कहा गया।वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुआरी कला का भी निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किया। जिसमें अधीक्षक डॉ0 मोइजुद्दीन हाशमी सहित दो चिकित्सा अधिकारी डॉ0 प्रतिभा सिंह ,डॉ0ईशा अनुपस्थित मिले। और फार्मासिस्ट अरविंद सिंह को अपने रजिस्टर के साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में

उपस्थित होने का निर्देश दिया।सीएमओ वाराणसी ने औचक निरीक्षण में आवश्यक सेवा में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए बताया कि इस बाबत जबकि दो चिट्ठियां देकर पूर्व में ही अवगत करा दिया गया था। कि कोई भी कर्मचारी को छुट्टी नहीं मिलेगी और समय से ड्यूटी कार्य मे रहेंगे। पीएचसी प्रभारी हरहुआ को निर्देशित किया कि तत्काल अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण लेकर अवगत कराएं।

मऊ सदर विधानसभा क्षेत्र में फर्जी मतदान करते चार लोग पकड़े गए

मऊ। सदर विधानसभा क्षेत्र के नगर स्थित नोमानी इंटर कालेज में दोपहर 1:30 बजे फर्जी मतदान करने वालों को पुलिस ने पकड़ा। इसमें मोहम्मद आरिफ पुत्र कौसर अली, कमाल अहमद पुत्र जियाउद्दीन, मोहम्मद आमिर पुत्र महमूद व अब्बू सहवा पुत्र मोइनुद्दीन को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। थानाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह ने बताया कि सभी को थाने में पकड़ कर पुलिस पूछताछ कर रही है। ये सभी अभी बालिग नहीं हुए हैं। कोपागंज थाना क्षेत्र के कस्बा सहित कई जगहों पर ईवीएम मशीन के खराब होने तथा मतदान कर्मी द्वारा समझ न आने पर सुबह सात बजे मतदान शुरू न होकर विलंब से शुरू हुआ। इसकी वजह से लाइन में खड़े मतदाता देर होने पर नाराज दिखे। कस्बा स्थित विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर के बूथ संख्या 412 में ईवीएम खराब होने कारण एक घंटा बीस मिनट तक यह बूथ प्रभावित रहा। थाना क्षेला के देवकली विशुनपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या 421 में ईवीएम खराब होने के कारण सुबह आधा घंटे बाद मतदान चालू हुआ। फिर एक बजे दोपहर में इसी बूथ पर 20 मिनट प्रभावित रहा। ग्रामसभा डाड़ी स्थित प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या 474 तथा 475 पर ईवीएम मशीन खराब होने के कारण 55 मिनट तक मतदान प्रभावित रहा। मतदान को सकुशल संपनन्न कराने के लिए पूरे जनपद को 11 जोन व 115 सेक्टर में

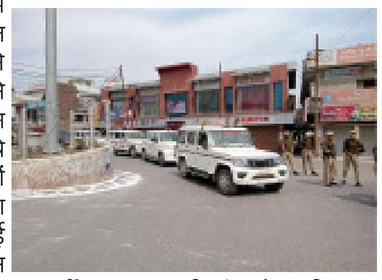

बांटकर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं, जो लगातार चक्रमण कर रहे हैं। जनपद में शुचितापूर्ण मतदान के लिए सभी मतदान केंद्रों को केंद्रीय बल के हवाले कर दिया गया है। सभी मतदेय स्थलों पर केंद्रीय बल तैनात हैं। वहीं विधानसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग ने मधुबन, घोसी, मुहम्मदाबाद गोहना सुरक्षित व मऊ सदर विधानसभा में एक-एक मतदेय स्थल को पिक यानी माडल मतदेय स्थल बनाया है। इसके अलावा हर विधानसभाओं में एक-एक बूथ दिव्यांग मतदाताओं के लिए भी अलग से हैं।

पुस्तक समीक्षा : भारत और भारतीयता के साार्थक विमर्श पर 'भारतबोध का नया समय'

वाराणसी। एक ऐसे समय में, जब भारत अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष के लिए लक्ष्य तय कर रहा है, तब इस महान राष्ट्र के अतीत की छाप, वर्तमान के रुझान और भविष्य की संभावनाओं की थाह लेने के प्रति उत्सुकता भाव का बढा स्वाभाविक है। इस संदर्भ में लेखक-पत्रकार-प्राध्यापक प्रो. संजय द्विवेदी का समयानुकूल हस्तक्षेप सराहनीय कहा जाएगा, जिन्होंने अपनी सद्य प्रकाशित पुस्तक 'भारतबोध का नया समय' में इस परिप्रेक्ष्य में सभी आवश्यक बिंदुओं को स्पर्श कर लक्ष्य संधान किया है। केवल सवा दो सौ पननें की इस किताब में द्विवेदी ने भारत की वास्तविक संकल्पना, उसकी महान विभूतियों और राष्ट्र को परम वैभव के लक्ष्य तक पहुंचाने की रूपरेखा से परिचित कराने का प्रयास किया है। भारतबोध के नए समय का आह्वान करते हुए लेखक कहते हैं कि हमारा देश आत्मदैन्य से मुक्त होकर एक नए भारत का स्वरूप ले रहा है। कतिपय वैश्विक एवं राष्ट्रीय अनिश्चितताओं के इस समय में वह राष्ट्र के पुनर्जागरण की महत्ता को बताते हैं। पारंपरिक पश्चिमी अवधारणा के उलट वह भारत को एक राजनीतिक नहीं, अपितु सांस्कृतिक अवधारणा से ओतप्रोत राष्ट्र बताते हैं। लेखक का मानना है कि राष्ट्रगौरव को बढ़ाने की दिशा में अग्रसर होने से पहले हमें भारत की शाश्वत एवं अविनाशी विशिष्टताओं का अवलोकन कर उन्हें आत्मसात करने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में वह लिखते हैं, 'भारत कई मायनों में अध्यात्म और चेतना की भूमि है। जहां दुनिया के तमाम विचारों की सांस्कृतिक चेतना जड़वादी, जबकि भारत की चेतना जैविक है। इसलिए भारत मरता नहीं है, क्योंकि वह जड़वादी और हठवादी नहीं है।' नया भारत बनाने की चुनौती के दृष्टिगत प्रो. द्विवेदी आजादी की ऊर्जा के अमृत से लेकर, गौसंवर्धन, परिवार के महत्व और भारतीयता की आत्मा के रूप में भगवान श्रीराम के महत्व को बताते हुए आगे बढ़ते हैं। चूंकि लेखक का मूल सरोकार संचार से रहा है तो वह स्वतंत्रता आंदोलन में पत्रकारिता, मीडिया एवं लोकमंगल की कड़ी और पत्रकारिता की नैतिकता जैसे विषयों पर भी गहन विमर्श करते हैं। साथ ही लोकमंगल के संचारकर्ता के रूप में नारद, युवा शक्ति के प्रेरणापुंज स्वामी विवेकानंद, भारतबोध के प्रवक्ता रूप में माधवराव सप्रे, असंभव संभावना के रूप में गांधी जी, भारतीयता के प्रतीक पुरुष मालवीय जी, भारतीय पत्रकारिता के कर्मवीर माखनलाल चतुर्वेदी, 'मूकनायक' बाबा साहेब आंबेडकर, अप्रतिम नायक वीर सावरकर और अखंड भारत के उद्घोषक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान का संज्ञान लेते हैं। पुस्तक में सामयिकता का भी पर्याप्त पुट है। वास्तव में लेखक ने पुस्तक ही 'नए भारत की संकल्पना' के सूत्रधार-पैरोकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समर्पित की है तो उनका भी स्वतःस्फूर्त वृहद आकलन किया गया है। मोदी को संवाद कला का महारथी बताते हुए प्रो. द्विवेदी लिखते हैं कि प्रधानमंत्री की बातों में माटी की महक आती है और उनके 'मन की बात' उचित मार्ग दिखाती है। इतना ही नहीं, अपने ऊपर असंख्य आक्रमणों से विचलित हुए बिना सफलता के सिरमौर बने प्रधानमंत्री मोदी को प्रेरणा की पराकाष्ठा के रूप में प्रतिष्ठित करते हुए प्रो. द्विवेदी लिखते हैं, 'जिंदगी के रास्ते में उनके ऊपर फेंके गए पत्थरों से कैसे उन्होंने सफलता की सीढ़ियों का निर्माण किया, उनका जीवन और उनके भाषण इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। वह एक ओर देश के युवाओं में आस भरते हैं, तो खिलखिलाकर हंसते भी हैं।

वाराणसी की आठ सीटों पर मतदान खत्म, पांच बजे तक 52.79 फीसद वोटिंग

वाराणसी। जिले की आठों विधानसभा क्षेत्र में कुल 30 लाख 29 हजार 215 मतदाता मतदान किए। पहली बार 18 से 19 वर्ष के बीच के बने 34,550 मतदाता, 26 हजार 415 दिव्यांग वोटर शामिल हैं। वहीं मतदाता पुनरीक्षण के दौरान इस बार जिले में कुल 76 हजार 433 मतदाताओं की बढ़ोत्तरी हुई है। इसमें 34 हजार 301 पुरुष तथा 42 हजार 101 महिला मतदाता की संख्या है। जेण्डर रेसियो भी 824 से बढकर 832 हो चुका है। जिले में वाराणसी कैंट, वाराणसी उत?तरी, वाराणसी दक्षिणी, अजगरा, रोहनिया, सेवापुरी, पिंडरा और शिवपुर के लिए मतदान हो रहा था। विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में वाराणसी की आठ सीटों पर सभी की नजर है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इसमें पांच सीटें पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में आती हैं। इस बार यहां तीन सीटों पर प्रदेश सरकार के तीन मंत्री मैदान में हैं। वहीं सिंह सिस्टर्स में प्रशांति और दिव्या ने भी मतदान की फोटो शेयर कर चर्चा बटोरी है। जबकि शाम छह बजते ही मतदान सभी आठ सीटों पर खत्म हो गया। वाराणसी में शाम पांच बजे तक 52.79 फीसद मतदान हो चुका था। इसमें पिण्डरा में 53.4फीसद , अजगरा में 52.1 शिवपुर में 55.7फीसद रोहनिया में 52.6फीसद वाराणसी उत्तरी में 52.8फीसद वाराणसी दक्षिणी में 53.2, वाराणसी कैण्ट में 48.5फीसद सेवापुरी में 55.3फीसद फीसद मतदान दर्ज किया गया। वाराणसी में दोपहर तीन बजे तक 43.76 फीसद मतदान दर्ज किया गया। वहीं पिण्डरा में 46.9 फीसद, अजगरा में 44.3 फीसद, शिवपुर में 46.1 फीसद, रोहनिया में 43.3 फीसद, वाराणसी उत्तरी में 42.62 फीसद, वाराणसी दक्षिणी में 43.63 फीसद, वाराणसी कैण्ट में 40.7 फीसद, सेवापुरी में 46.2 फीसद मतदान दर्ज किया गया। वाराणसी में दोपहर एक बजे तक 33.55 फीसद मतदान पूरा हो गया। जबकि पिण्डरा में 34.2 फीसद, अजगरा में 33.78 फीसद, शिवपुर में 34.8 फीसद, रोहनिया में 34.5 फीसद, वाराणसी उत्तरी में 34.9 फीसद, वाराणसी दक्षिणी में 32.20.फीसद, वाराणसी कैण्ट में 29.6 फीसद, सेवापुरी में 35 फीसद मतदान हुआ। वाराणसी में सुबह 11 बजे 21.19 फीसद मतदान हो चुका था। इस दौरान पिण्डरा में 22.2फीसद अजगरा में 23.5फीसद शिवपुर में 21.9फीसद , रोहनिया में 21.9फीसद वाराणसी उत्तरी में 21.21फीसद , वाराणसी दक्षिणी में 17.36फीसद वाराणसी कैण्ट में 18.5फीसद , सेवापुरी में 23.06फीसद तक मतदान हो चुका था। वाराणसी में सुबह नौ बजे तक 8.93 फीसद मतदान हो चुका था। इसमें पिण्डरा-9.15फीसद , अजगरा-9.5फीसद , शिवपुर - 10.82फीसद , रोहनिया- 8.85फीसद , वाराणसी उत्तरी - 8.45फीसद , वाराणसी दक्षिणी- 7.12फीसद वाराणसी कैण्ट- 7.5फीसद सेवापुरी - 10.08ज्ञ् तक मतदान हो चुका था। सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के बीरभानपुर स्थित मतदान केंद्र पर अपने परिवार के साथ मतदान कर बाहर आते पूर्व राज्य मंत्री व सपा प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह पटेल भिड़े भाजपाई : शिवपुर विधान सभा के धननेपुर गांव के सेन्ट जांस स्कूल के बूथ नम्बर 50 के पास भाजपा के लोहता मंडल अध्यक्ष सुनील मिश्र और जिला पंचायत सदस्य के प्रतिनिधि आर.पी. प्रजापति में मारपीट होने के बाद दोनों ओर से थाने में तहरीर दी गई है। धननेपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं (लोहता मंडल अध्यक्ष व जिलापंचायत सदस्य) में पर्ची बनाने को लेकर आपस मे बहस और विवाद के बाद मामला शांत भी हो गया। सैंकड़ो बूथों पर तीसरी नजर : पिंडरा विधान सभा क्षेत्र के 432 बूथों में से इस बार 262 बूथों पर वेब कॉस्टिंग की व्यवस्था चुनाव आयोग के निर्देश पर की गई। जिससे बूथों पर हो रही मतदान प्रक्रिया पर तीसरी नजर की बनी रही। इसके लिए पिंडरा तहसील परिसर में बाकायदा निगरानी सेंटर बनाने के साथ कर्मचारियों की तैनाती

की गई थी। इस बाबत वेब कॉस्टिंग प्रभारी / नायब तहसीलदार साक्षी राय ने बताया कि पिंडरा विस् क्षेत्र के बड़े मतदान केंद्रों पर वेब कॉस्टिंग की व्यवस्था की गई थी। जिससे मतदान प्रक्रिया में किसी तरह का व्यवधान न पहुंचे और सुचारू रूप से मतदान हो सके। उन्होंने बताया कि वेब कॉस्टिंग के दौरान कुछ जगह बीच बीच में कनेक्टिविटी छोड़ने की समस्या रही। लेकिन इससे पूरी मतदान प्रक्रिया पर नजर रखने में आसानी रही। इस विधानसभा चुनाव में शारीरिक रूप से अशक्त, दिव्यांग और बुजुर्गो के लिए डोर टू डोर बीएलओ द्वारा मतदान कराने की सुविधा होने की बावजूद 94 वर्षीय तिलक राज कपूर ने नजदीकी मतदान केन्द्र पर जाकर मतदान किया। शहर दक्षिणी भाजपा प्रत्याशी मंत्री डाक्टर नीलकंठ तिवारी को होमगार्ड ने मतदान केंद्र के अंदर जाने से रोक दिया। काफी देर तक किचकिच के बाद पुलिस ने दोनो पक्षों को समझाया। होमगार्ड को नियम बताया, उसके बाद डा. नीलकंठ बूथ के अंदर जा सके। पद्मश्री प्रशांति सिंह, अर्जुन पुरस्कार विजेता बास्केटबॉल खिलाड़ी ने उत्तर प्रदेश में अंतिम चरण के मतदान में वाराणसी में सपरिवार उत्साहपूर्वक सुबह ही मतदान किया। समस्त काशीवासियों से वोट करने की अपील की। सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के शाहंशाहपुर स्थित अपने मतदान केंद्र पर मतदान कर बाहर आते सेवापुरी विधायक नील रतन पटेल नीलू। अभद्र आचरण पर ड्यूटी से मुक्त : जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि 390- विधानसभा कैंटोनमेंट के बूथ संख्या 243 से 246 पर रणवीर संस्कृत विद्यालय कमच्छा पर तैनात सीपीएमएफ प्रभारी चमन लाल (सब इंस्पेक्टर आइटीबीपी) को निर्वाचन के दौरान सभी पोलिंग एजेंट की वोटर लिस्ट को फेंकवा दिये जाने, इनके द्वारा उम्मीदवार को मतदान कक्ष में जाने से रोके जाने तथा इनको जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा नियमों की जानकारी दिए जाने पर यह कहा जाना कि मैं 6 चरणों का चुनाव करा कर आया हूं मुझे नियमों की पूरी जानकारी है। साथ ही मतदान केंद्र पर इनके ड्यूटी करने से वहां की व्यवस्था बिगाड़ी गयी। निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अनुपालन ना कराए जाने तथा कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन किए जाने के कारण तत्काल प्रभाव से ड्यूटी से जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवमुक्त करते हुए इनके स्थान पर भी रिजर्व सीपीएमएफ अथवा पीएसी को मतदान केंद्र पर लगाने का आदेश दिया गया। सरकारी अभिलेखों में मृत ने भी मतदान किया : चौबेपुर क्षेत्र के छितौनी गांव निवासी संतोष मूरत सिंह जिसका नाम अभिलेखों में मृत दर्शाकर उसकी जमीन गांव के लोगों के नाम दर्ज करवा ली है। उसने शिवपुर विधानसभा के प्राथमिक विद्यालय छितौनी में जाकर प्रदेश के विकास के लिए अपना मत दिया।कहा मैं जिंदा हूं यह प्रमाण भी है। मतदान के समय संकट मोचन मंदिर के महंत के साथ दुर्व्यवहार : मतदान के समय बूथ पर अंदर जाने के समय संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र के साथ ड्यूटी रत पुलिसकर्मी ने दुर्व्यवहार किया। असि स्थित इम्पीरियल स्कूल में महंत प्रो. मिश्र का मतदान केंद्र था। जब वे अंदर जा रहे थे तब मोबाइल जांच के नाम पर तैनात पुलिसकर्मी और वोट डालते समय तैनात पीठासीन अधिकारी ने दुर्व्यवहार किया। महंत प्रो. मिश्र के अनुसार उन्होंने पुलिस कमिशन्र सतीश गणेश व जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा को ट्वीट कर इन मुद्दों पर ध्यान देने का आग्रह किया है। संकट मोचन मंदिर के महंत प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र अपनी पतने मदर्स फॉर मदर की अध्यक्ष आभा मिश्र संग असि स्थित इम्पीरियल स्कूल से मतदान करके निकलते हुए। बूथों पर ईवीएम की चुनौती : सुबह 7 बजे से शुरू हुए मतदान प्रक्रिया में सुबह 9:30 बजे तक आठों विधानसभा में करीब 17 ईवीएम मशीन खराब होने की शिकायत कंट्रोल रूम को प्राप्त हुई जिसे तत्काल निर्वाचन कार्यालय द्वारा दूसरी मशीन लगाते हुए मतदान प्रक्रिया शुरू कराई गई। जिस में सर्वाधिक शिवपुर विधानसभा में चार ईवीएम मशीन खराब हुई। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में भी बूथ संख्या 151 पर ईवीएम खराब होने की सूचना के बाद मौके पर अधिकारी इसे ठीक कराने के लिए पहुंचे। हरहुआ अजगरा विधानसभा के ग्रामसभा रामसिंहपुर स्थित पंचायत भवन पर बने बूथ का ईवीएम खराब। दूसरी ईवीएम आई वह भी खराब। तीसरे ईवीएम के इंतजार में खड़े हैं मतदाता। अभी तक नहीं शुरू हुई वोटिंग। बूथ संख्या 1,7,5 और 8 पर ईवीएम में खराबी आ गई। ईवीएम में खराबी की सूचना पर आलाधिकारी दक्षिणी विधानसभा के कमलगढहा बूथ पर पहुंचे और जायजा लिया। टिकरी में बवाल की फर्जी सूचना पर पुलिस परेशान हुई, सूचना देने वाले के मोबाइल पर इनकमिंग की सुविधा नहीं होने से मोबाइल की काल डिटेल और लोकेशन की जांच में पुलिस जुट गई है। माडल बूथ कमौली के भाग संख्या-156,157158,169 पर 7.30 बजे शुरू हुयी वोटिंग। पिंडरा विस् क्षेत्र के थाना गांव के बूथ संख्या 181 पर 23 मिनट देर से मतदान शुरू हुआ। पिंडरा विस् क्षेत्र के सिंधोरा में स्थित बूथ 335 पर ईवीएम में कुछ तकनीकी खराबी के चलते 7बजकर 40 मिनट पर शुरू हुआ मतदान।तब तक लंबी लाइन लग चुकी थी। अजगरा विधानसभा के ग्राम सभा जरियारी स्थित बूथ संख्या 158 की इवीएम मशीन खराब होने से मतदान बाधित रहा।वहीं मुस्तफाबाद भाग सं 244 की ईवीएम मशीन खराब होने की शिकायत रही जिससे मतदान कुछ देर तक बाधित रहा। बूथ संख्या 183 पहड़िया नरपतपुर का ईवीएम खराब रहा। डेढ़ घंटे बाद सवा दस बजे दूसरी इवीएम मशीन लगाने के बाद 158 नंबर बूथ पर पुनः मतदान शुरु हो सका। 83 मत पड़ने के बाद यहां ईवीएम खराब हो गई थी। वाराणसी जिले की शिवपुर विधानसभा-386 के बूथ संख्या- 342 पर तीसरी बार ईवीएम खराब होने से मतदान दोपहर तक बाधित रहा। दूसरी ओर अजगरा विधान सभा के अनौरा प्राथमिक स्कूल में दूसरी ईवीएम मशीन लगाई गई जिससे आधा घण्टा मतदान प्रभावित रहा। वाराणसी की आठ विधानसभाओं के विभिन्न बूथों पर सुबह छह बजे से ही मतदान कर्मी मुस्तैद नजर आए। सेक्टर मजिस्ट्रेटों की टीम सुबह सात बजे से क्षेत्रों में चक्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेती रही। बूथों पर कतार लगाकर वोट डालने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते लोगों की कतार भी खूब नजर आई। वाराणसी के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में बूथ संख्या 311 पर ईवीएम खराब होने की सूचना पर मौके पर अधिकारी पहुंच गए। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के मोहनसराय मतदान केंद्र पर मतदान के लिए लाइन में मतदाता खड़े नजर आए। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ स्थित मतदान केंद्र में अपनी पतनी के साथ मतदान करके कुलपति भी निकले। इस अवसर पर लोगों के शरीर का तापमान भी जांचा गयासैनिटाइज भी किया गया। मतदान के बाद सेल्फी पोइन्ट में लोगों ने सेल्फी भी लिया। वहीं कम्पोजिट स्कूल महमूरगंज में भाजपा विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने अपना वोट डाला। यह सीट सर्वाधिक चर्चा में है क्योंकि नव्य-भव्य श्रीकाशी विश्वनाथ धाम इसी विस क्षेत्र में है, जिसके माध्यम से भाजपा पूरे देश में 'आस्था से अर्थव्यवस्था तकऽ का संदेश दे रही है। इस सीट पर भाजपा के पूर्व विधायक श्यामदेव राय चौधरी सात बार विधायक रहे। 2017 में यहां से डा. नीलकंठ तिवारी भाजपा से विधायक बने और इन्हें धर्मार्थ कार्य मंत्री बनाया गया। किशन दीक्षित यहां सपा के टिकट पर पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। एक महंत परिवार से होने और सत्ता के खिलाफ जुझारू प्रवृत्ति वाले किशन भाजपा को कड़ी टक्कर देते दिख रहे हैं। कांग्रेस की मुदिता कपूर भी जोर लगा रही हैं। मुकाबला आमने सामने का दिख रहा है। समाजवादी पार्टी का गढ़ रहा शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र परिसीमन के बाद यानी 2012 से भाजपा के कब्जे में है।

जौनपुर के नौ सीटों पर कई राजनीतिक दिग्गजों की टक्कर, वोटरों को करना है फैसला

जौनपुर । विधानसभा चुनाव के सातवें व अंतिम चरण में पूर्वांचल में आजमगढ़ के बाद सर्वाधिक जौनपुर की नौ सीटों पर सभी की नजर है। यहां से प्रदेश सरकार के एक मंत्री, दो पूर्व मंत्री व तीन पूर्व सांसद चुनावी मैदान में आमने सामने है। जौनपुर की सबसे चर्चित सीट में जौनपुर सदर विधानसभा क्षेत्र से योगी सरकार के आवास राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव की प्रतिष्ठा दांव पर है। यहां उनकी टक्कर सपा प्रत्याशी पूर्व विधायक अरशद खान से नजर आ रही है, हालांकि पार्टी के परंपरागत मतों के भरोसे बसपा के सलीम खान व कांग्रेस के बड़े नेताओं में शुमार गांधी परिवार के करीबी पूर्व विधायक नदीम जावेद मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने को पूरी ताकत झोंक चुके हैं। चार दशक से कोई प्रत्याशी यहां दुबारा चुनाव नहीं जीत सका है। 2012 में नवसृजित इस विधानसभा सीट में अब तक हुए दो आम चुनाव व एक उपचुनाव में हर बार सपा ने बाजी मारी है।

जिले की यह इकलौती विधानसभा सीट है जहां अब तक हुए चुनावों में मुख्य मुकाबला निर्दल प्रत्याशी धनंजय सिंह से रहा है। यहां से दो बार विधायक रहे कैबिनेट मंत्री पारसनाथ यादव के निधन के बाद उपचुनाव में विधायक चुने गए उनके पुत्र लकी यादव एक बार फिर सपा प्रत्याशी हैं। इस बार भी उनका मुकाबला जद यू प्रत्याशी पूर्व सांसद धनंजय सिंह से तय माना जा रहा है। करहल के बाद प्रदेश की यह इकलौती सीट रही जहां सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने आकर प्रचार किया है। यहां भाजपा से पूर्व सांसद डाक्टर केपी सिंह मैदान में हैं। पूर्वांचल की दूसरी बड़ी गल्ला मंडी वाले शाहगंज विधानसभा में पिछले चार चुनावों से लगातार सपा का कब्जा है। सपा से विधायक पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई से इस बार भाजपा के सहयोगी निषाद पार्टी के उम्मीदवार पूर्व प्रमुख रमेश सिंह की सीधी टक्कर मानी जा रही है। इस सुरक्षित विधानसभा सीट से भाजपा से विधायक दिनेश चौधरी, सपा से पूर्व सांसद तूफानी सरोज व बसपा के डाक्टर लालबहादुर सिद्धार्थ के बीच कांटे के मुकाबले के आसार हैं। यहां भाजपा के समक्ष सीट बचाने तो सपा-बसपा के समक्ष उन्हें बेदखल करने की कठिन चुनौती है।

आजमगढ़ में मतदान के लिए 70 साल के बुजुर्ग ने परिवार को लेकर खींचा हाथ ठेला

आजमगढ़। जिले के हरिलाल के जज्बे को देखकर हर किसी का सीना गर्व से भर जाएगा। जी हां,

70 साल के हरिलाल प्रतीक बन गए हैं लोकतंत्र के पर्व को उत्साह से बनाने के लिए। वह इस उम्र में अपने परिवार को हाथ ठेला पर लेकर बूथ पर पहुंचे तो मौजूद सिपाहियों ने भी उनको सैल्यूट किया। वहीं दिव्यांग बहू ने अक्षमता जताई तो उसे भी बूथ तक हाथ ठेला पर बैठाकर ले लाए। बुजुर्ग व्यक्ति के मतदान को लेकर इस जज्बे के आगे मानो रास्ते का पहाड़ भी अपना जज्बा खो बैठा और उनको बूथ तक का सरल रास्ता प्रदान किया। 70 वर्षीय हरिलाल के जज्जे को बूथ के सिपाहियों ने भी सैल्यूट मारा। उचित भी हरिलाल में लोकतंत्र के पर्व को मनाने का ऐसा जज्जा था कि वृद्ध पतने के अलावा दिव्यांग बहू को भी ठेले पर बैठाकर मतदान केंद्र पर ले आए। पसीने से तर-बतर हरिलाल का ठेला रुका तो उनकी कहानी जान लोगों की जुबां से बरबस बोल फूटा कि देश में मजबूत लोकतंत्र का कोई बाल बांका नहीं कर सकता है। शहर से सटे जोधी का पुरा निवासी हरिलाल का मतदान केंद्र शिब्ली कालेज में था। 70 की उम्र में खुद डेढ़ किमी. जाना मुश्किल प्रतीत हो रहा था, लेकिन लोकतंत्र में आस्था ऐसी कि पूरे परिवार को मतदान केंद्र पर पहुंचाने की ठान ली। फिर क्या अपनी पत्नी आंझू व दिव्यांग बहू दोनों को घर में पड़े ठेले पर बैठा ले आए शिब्ली कालेज स्थित मतदान केंद्र। आंझू ने बताया कि सब कोई वोट देने जा रहा था, तो मेरी भी इच्छा हुई। बोली कि मेरा हाथ में फ्रैक्चर है, इसलिए ठेले पर बैठकर आई हूं। दिव्यांग बहू के मन में भी वोट देने की इच्छा महसूस हुई तो इनको भी ठेले पर बैठाकर ले आए हैं। हरिलाल ने बताया कि सरकार ने वोट देने का अधिकार दिया है। इसका प्रयोग कर हम देश में लोकतंत्र को मजबूत करने आए हैं।

पांच बजे तक 57 फीसद मतदान

मतदान केंद्र पर सपा- भाजपा में पथराव

सोनभद्र। जिले की राबटर्सगंज, घोरावल, ओबरा और दुद्धी विधानसभा के लिए यूपी विधानसभा के सातवें चरण में मतदान चल रहा है। वर्ष 2017 में भाजपा ने यहां की चारों सीटों पर परचम लहराया था। लिहाजा इस बार जिले के सभी विधानसभा सीटों पर रोमांचक लड़ाई नजर आ रही है। जिले में 971 मतदान केंद्रों पर 1614 मतदेय स्थल हैं। यहां 1389867 कुल मतदाता हैं जिनमें 739833 पुरुष मतदाता और 649987 महिला मतदाता हैं। जबकि 47 अन्य मतदाता हैं। जिले में 63 नामांकन हुए थे। 20 नामांकन रद होने और तीन नाम वापसी होने के बाद कुल 40 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। नक्?सल प्रभावित क्षेत्र होने की वजह से सोनभद्र की राबर्टसगंज व दुद्धी में सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक ही वोट पड़ेंगे। जिसे में सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मदाताओं के आने का सिलसिला शुरू हुआ तो दिन चढ़ने तक जारी रहा। सुबह से मतदाताओं की कतार बूथों में नजर आई। दुद्धी विधान सभा के जीजीआईसी पोलिंग बूथ पर चार बजते ही गेट बन्द कर दिया गया। अंदर कतार में लगे लोगों से मतदान कराया जाता रहा। दरअसल दुद्धी और राबर्टसगंज विस नक्सल प्रभावित होने की वजह से यहां पर शाम चार बजे तक ही मतदान कराया गया। वहीं दुद्धी और राबट्र्सगंज में 4 बजे मतदान खत्म हो गया लेकिन दोनों क्षेत्रों में 9 बूथ पर लाइन में लगे लोग पांच बजे तक मतदान करते रहे। मतदान केंद्र पर सपा- भाजपा में पथराव : ओबरा विधानसभा क्षेत्र के जुगैल थानांतर्गत अगोरी मतदान केंद्र पर अपराह्न बाद दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी पथराव में बदल गयी। भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के समर्थकों के बीच हुए घमासान में धर्मेंद्र यादव घायल हो गया। इस दौरान भारी संख्या में समर्थक एकत्रित हो गए।जिस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लाठी पीटकर हालत को काबू में किया। पुलिस ने पक्षों के तीन लोगों को हिरासत में लिया है।दोनों पक्ष मतदाताओं को अपने पार्टी के पक्ष में मतदान के लिए बूथ के पास प्रेरित कर रहे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। इस बीच एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष पर पत्थर फेंका गया। इसके बाद दोनों पक्षों से पत्थरबाजी शुरू हो गई। सोनभद्र में दोपहर 5 बजे तक 57 फीसद मतदान हो चुका था। वहीं घोरावल में 57.58 प्रतिशत, राबट्र्सगंज में 59.98 प्रतिशत, ओबरा में 48.34 प्रतिशत और दुद्धी में 64 प्रतिशत मतदान हो चुका था। सोनभद्र में दोपहर तीन बजे तक 49.79 फीसद मतदान हो चुका था। वहीं घोरावल में 49.13 प्रतिशत, राबट्र्सगंज में 52.15 प्रतिशत, ओबरा में 41 प्रतिशत और दुद्धी में 56.79 प्रतिशत मतदान हो चुका था। सोनभद्र में दोपहर एक बजे तक 35.68 फीसद मतदान हो गया। इस दौरान घोरावल में 30.29 प्रतिशत, राबट्र्सगंज - 41.51 प्रतिशत, ओबरा - 30.5 प्रतिशत, दुद्धी में 41.18 प्रतिशत हुआ। सोनभद्र में सुबह 11 बजे 18.67 फीसद मतदान हो चुका था। वहीं घोरावल में 13.17 प्रतिशत, राबट्र्सगंज में 22.78 प्रतिशत, ओबरा में 17.50 प्रतिशत, दुद्धी में 21.26 प्रतिशत मतदान हो चुका था।घोरावल विधानसभा : मतदान स्थल के बूथ नंबर 10 11 12 123 पर 1:00 बजे तक 45 फीसद मत पड़ा। वहीं मतदाता अपनी पर्ची ना पाने की वजह से मतदान करने के लिए काफी परेशान दिखे। इस संबंध में श्रवण कुमार सिंह, रमाशंकर सिंह, रामबहादुर, लक्ष्मण आदि मतदाताओं ने बताया कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं को घर घर पर्ची ना देने की वजह से मतदाता काफी परेशान रहे। वहीं तमाम मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में नहीं था। इसलिए तमाम लोग मतदान करने से वंचित रह गए। वहीं कुछ लोग मतदाता पहचान पत्र लेकर मतदान करने के लिए गए तो वोटर लिस्ट में उनका क्रमांक गलत होने के कारण उनको मतदान कर्मियों ने मतदान नहीं करने दिया। मतदान स्थल पर नियुक्त पुलिसकर्मी लोगों को मोबाइल लेकर जाने से रोक रहे थे। कह रहे थे कि यदि कोई मोबाइल लेकर मतदान केंद्र में पहुंचता है तो पकड़े जाने पर उसे जेल भी जाना पड़ सकता है। मतदान के दिन भी बिकी अंग्रेजी शराब : बभनी थाना क्षेत्र में संचालित अंग्रेजी शराब की दुकान भी पीछे दरवाजे से चलती रही। क्षेत्र में दो अंग्रेजी व दो बियर सहित एक देशी शराब की दुकान संचालित है। मतदान को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मतदान के दो दिन पूर्व जिला प्रशाशन ने सभी दुकानों को सील करने का आदेश जारी किया था बावजूद इसके पुलिस से सांठगांठ बनाकर दुकानदार पीछे दरवाजे से ऊंचे दामों में शराब बेचते रहे शराब के शौकीनों को तो शराब जरूर मिली लेकिन मतदान करने के लिए मतदान स्थल की ओर जाते महिलाओं पुरुषों को समस्या झेलनी पड़ी। अंग्रेजी शराब दुकान चपकी

से कुछ दूरी पर ही मतदान के दिन लगभग 10 बजे शराब के नशे में धुत को ग्रामीणों ने समझा बुझाकर किसी तरह हटाया। प्रतिबन्ध के बावजूद बिक रही शराब और शराब पीकर तेज रफ्तार चल रहे बाइक सवारों से मतदाताओं को मुसीबत का सामना करना पड़ा । सोनभद्र जिला मप्र, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार सीमा से सटा हुआ है। ऐसे में सोनभद्र में प्रवेश के लिए सीमाओं को मतदान के पूर्व सील करते हुए बाहरियों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया। ईवीएम खराब होने से आई बाधा दुद्धे विधानसभा के ग्राम बांसी स्थित बूथ संख्या -2 पर सुबह सात बजे मतदान शुरू होने के दौरान ईवीएम काम नहीं कर रहा था। सेक्टर मजिस्ट्रेट ने दूसरा ईवीएम लाकर मतदान शुरू कराया। इसकी वजह से आधा घंटा देर से मतदान शुरू हुआ। ओबरा विधान सभा के मितापुर में बूथ संख्या 27 का ईवीएम मशीन खराब होने की सूचना मंत्री संजीव सिंह को मिली तो शिकायत मंत्री द्वारा डीएम से की गई। ओबरा विधानसभा के अनपरा थाना अंतर्गत औराडाढ द्वितीय पोलिंग स्टेशन के बूथ संख्या 213 पर मतदान शुरू होने के दौरान ईवीएम चालू नही हो रहा था। सेक्टर मजिस्ट्रेट ने ईवीएम को चालू किया। इस दौरान 15 मिनट मतदान प्रभावित रहा। दुद्धी विधान सभा के बूथ क्रमांक 117 ग्राम पंचायत चक चपकी में दस बजे तक ईवीएम मशीन खराब होने से मतदाताओं की लंबी कतार लग गई है। ओबरा विधान सभा, ग्राम पंचायत मितापूर्, बूथ स 17 की ई बी एम खराब डेढ़ घंटे बाद मतदान शुरू हो सका। प्राथमिक विद्यालय बरवाटोला बुथ संख्या 111की एबीएम मशीन सुबह सात बजे सेएक घण्टा आठ बजे तक खराब ओबरा विधान सभा के बिल्ली मार्कुण्डी स्थित मतदान केन्द्र पर वोट डालने के बाद प्रसननचित ओबरा के विधायक व राज्यमंत्री संजीव सिंह गोंड पत्नी व ब्लाक प्रमुख चोपन लीला देवी के संग। घोरावल विधानसभा सीट अनारक्षित है। इस सीट पर वर्तमान विधायक अनिल मौर्या अपनी साख बचाने के लिए लड़ रहे हैं। वर्ष 2012 के विजेता व 2017 के उपविजेता सपा प्रत्याशी रमेश चंद्र दुबे सफलता के लिए हर स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। आमने-सामने की लड़ाई में इस बार कांग्रेस प्रत्याशी व राजघराने की बहु विदेश्वरी ने चुनाव को रोचक बना दिया है। महिला मतदाताओं का कांग्रेस प्रत्याशी के प्रति बढ़ते रुझान ने सपा व भाजपा प्रत्याशियों को थोड़ा बेचैन जरूर कर दिया है। बरहाल वर्तमान समय में यहां भाजपा व बसपा में सीधा मुकाबला देखा जा सकता है। घोरावल विधानसभा 2012 में अस्तित्व में आया, इससे पहले यह राजगढ़ सीट से जुड़ा हुआ था जहां से अनिल मौर्या दो बार विधायक रह चुके हैं। इसलिए इस बार अनिल मौर्या का साख भी दाव पर है। राबट्र्सगंज विधानसभा सीट अनारक्षित है। यहां पर वर्तमान व पूर्व विधायक में आमने-सामने की टक्कर है। भाजपा प्रत्याशी व विधायक भूपेश चौबे जहां नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी वहीं पूर्व विधायक अविनश कुशवाहा वर्ष 2012 की जीत को दोहराना चाह रहे हैं। बसपा ने यहां से ब्राम्हण प्रत्याशी अविनाश शुक्ला को मैदान में उतार कर दलित के साथ सामान्य मतदाताओं पर असर डाला है। सदर सीट पर पल-पल समीकरण बदल रहे हैं। पहले चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले के आसार बने थे, लेकिन समय के साथ यहां की लड़ाई आमने-सामने की हो गई है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने सपा प्रत्याशी को करीब 38 हजार मतो के अंतर से हराया था। वहीं सपा प्रत्याशी अविनाश कुशवाहा हारने के बावजूद अपने 2012 के जीत से अधिक मत पाए थे। सदर सीट पर सामान्य व पिछड़े मतदाता निर्णायक साबित होंगे। ओबरा विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। इस सीट पर 2017 के चुनाव में भाजपा से संजीव कुमार गोंड़ ने विजय हासिल किया था। बाद में इन्हे राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया। यहां पर विपक्ष के सभी प्रत्याशी संजीव गोंड़ से ही लड़ रहे हैं। सपा ने जहां सुनील गोंड़, कांग्रेस प्रत्याशी राजाराम गोंड़ व बसपा प्रत्याशी व पूर्व मंत्री सुभाष खरवार मैदान में है। जनजाति के अलावा इस विस क्षेत्र में परियोजना के मतदाता निर्णायक साबित होंगे। गोंड़ जनजाति के प्रत्याशियों की संख्या अधिक होने कारण इस बार इस विधानसभा क्षेत्र में सामान्य व पिछड़े वर्ग के मतदाता निर्णायक साबित होंगे। दुद्धी विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। इस सीट पर 2017 में भाजपा व अपना दल के प्रत्याशी हरिराम चेरो एक हजार वोटों के अंतर से हराकर विजेता बने थे। इस बार विधायक हरिराम चेरो ने बसपा का दामन थाम लिया है। वहीं विजय सिंह गोंड़ सपा से चुनावी मैदान में है। कांग्रेस की प्रत्याशी बसंति पनिका मैदान में उतरकर चुनाव को त्रिकोणीय कर दिया है। भाजपा ने इस बार रामदुलारे गोंड़ को अपना प्रत्याशी बनाया है। नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं के दम पर भाजपा व सपा प्रत्याशी की आमने-सामने की टक्कर लग रही है। इसमें विधायक हरिराम चेरो भी सबको चौंका सकते हैं। आदिवासियों के नेता के नाम से पहचाने जाने वाले विजय सिंह गोंड़ के लिए यह चुनाव उनका राजनीतिक भविष्य भी तय करेगी।

नदी पार करेंगे या 40 किमी चलेंगे, फिर देंगे वोट

बीजपुर (सोनभद्र) । ग्रामीण अंचल में मतदान केंद्र की दूरी एवं रास्ते में पड़ने वाले नदी नाले मतदाताओं के लिए परेशानी का सबब बनते जा रहे हैं। म्योरपुर ब्लाक के पिडारी गांव में गांव के बीचो बीच बह रही बिछी नदी मतदाताओं के लिए सर दर्द बनी हुई है। गांव मतदान स्थल तक पहुंचना पड़ेगा। सिरसोती ग्राम पंचायत के कोडार टोले के मतदाताओं को मतदान का प्रयोग करने के लिए करीब 5 किलोमीटर दूर मतदान केंद्र सिरसोती तक जाना पड़ेगा। रजमिलान ग्राम पंचायत के टोला मैनहवा के ग्रामीणों को भी जान

के बीचो-बीच बह रही बिछी नदी के उस पार करीब 2500 मतदाताओं को या तो नदी पार करके मतदान स्थल तक जाना पड़ेगा या फिर 40 किलोमीटर का चक्कर लगाकर मतदान केंद्र तक जाना पड़ेगा। इसी तरह खमरिया ग्राम पंचायत के डूमर चुआ टोले के मतदाताओं को भी गांव के बीच बह रही अजीर नदी मतदाताओं के पैरों को रोक रही है मतदाताओं को मतदान करने के लिए या तो नदी पार कर मतदान स्थल तक जाना पड़ेगा या फिर 25 किलोमीटर का सफर तय कर हथेली पर रख दो गहरे नाले पार कर मतदान स्थल तक जाना पड़ेगा। इसके अलावा मतदाताओं के पास कोई चारा नही है। ग्रामीणों के लिए मतदान केंद्र की दूरी या फिर रास्ते में पड़ रहे नदी नाले मतदान प्रतिशत को प्रभावित करेगा। गौरतलब है कि कई मतदान केंद्र काफी सुदूरवर्ती इलाकों में हैं जहां गमनागमन के लिए न तो सड़क मुकम्मल है और न ही कोई पुल की व्यवस्था है। वहां पहुंचने के लिए मतदाताओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

15000 पुलिसकर्मी संभालेंगे चुनाव सुरक्षा की कमान

सोनभद्र। जिले की चारों विधानसभा सीटों के लिए मतदान सोमवार को होगा। चुनाव में किसी तरह की खलल न पैदा हो, इसके लिए करीब 15000 पुलिस कर्मी चुनाव सुरक्षा की कमान संभालेंगे। पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती इलाकों में लगे बैरियरों पर विशेष निगाह रहेगी। अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस लगातार भ्रमण कर सुरक्षा पर नजर रखेगी। सोनभद्र की सीमा से सटे पड़ोसी राज्य बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ हैं जो नक्सल प्रभावित हैं। इन राज्यों की सीमा पर सोनभद्र में 29 बैरियर स्थापित कर सीमा सील कर दिया गया है। प्रत्येक बैरियर पर डेढ़ सेक्शन पैरामिलिट्री फोर्स के अलावा दो सिपाही व एक उप निरीक्षक को तैनात किया गया है। इसी तरह जिले की सीमा से सटे मीरजापुर व चंदौली की सीमा पर 9 बैरियर लगाए गए हैं और सीमा को सील किया गया है। इन बैरियरों पर एक उप निरीक्षक, दो सिपाही व दो होमगार्ड तैनात किए गए हैं।नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विशेष निगाह रखने का निर्देश पुलिस उप महानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने दिया है। विधानसभा चुनाव सकुशल संपन्न हो, इसके लिए 528 उपनिरीक्षक, असलहों के साथ 2706 आरक्षी व मुख्य आरक्षी तैनात किये गए हैं जबकि डंडे के साथ 1581 आरक्षी व मुख्य आरक्षियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसी तरह 3038 होमगार्ड भी चुनावी ड्यूटी में लगाए गए हैं। पुलिस महकमें से मिली जानकारी के अनुसार 93.1 कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती चुनाव सकुशल संपन्न कराने के लिए लगाई गई है। इसमें सीआरपी व पीएसी शामिल है। पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस कर्मियों को पूरी मुस्तैदी के साथ चुनाव ड्यूटी करने और शांति व्यवस्था को कायम रखने का निर्देश जारी किया है।

सीमावर्ती इलाकों में पुलिस अलर्ट, सघन जांच अभियान

सोनभद्र। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। चार राज्यों से जुड़ी जनपद की सीमा को बैरियर लगाकर सील कर दिया गया है। रविवार को पुलिस टीम ने सीमावर्ती मजिस्ट्रेट मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सीमा पार से आ रहे वाहनों में शराब, विस्फोटक, कैश आदि की जांच की जा रही है। इसके बाद ही सीमा में प्रवेश करने की अनुमति दी जा रही हैं। झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश की सीमा से लगा है। इन तीनों प्रांत की सीमाओं सेहोकर गुजरने वाले सभी मार्गों पर यूपी पुलिस अतिरिक्त पुलिस बल लगाकर सील करने के साथ चौकस निगहबानी

इलाकों में सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान कई संवेदनशील इलाकों की जांच के साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। सात मार्च को जिले की चारों विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। इसको लेकर पड़ोसी राज्यों की सीमा पर बैरियर लगाए गए हैं। पुलिस उधर से होकर गुजरने वालों की सघन तलाशी ले रही है। अनपरा पुलिस ने मध्यप्रदेश के बार्डर दुल्लापाथर स्थित चेक पोस्ट पर सघन जांच की। बाइक, ट्रक-ट्रेलर सभी वाहनों की सघन जांच कर पुलिस जनपद की सीमा में प्रवेश करने दे रही है। जांच कर रहे स्टेटिक शक्तिनगर परिक्षेत्र के तेलगवां व दुधीचुआ बार्डर पर भी पुलिस स्टेटिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में निरंतर वाहनों की जांच कर रही है। शक्तिनगर थाना प्रभारी मिथिलेश मिश्र ने पुलिस बल के साथ सीमा स्थित तेलगवां पुल तथा दुद्धीचुआ चौराहे पर सघनता से दोपहिया व चारपहिया वाहनों की तलाशी ली। शक्तिनगर थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस पूरी सतर्कता बरत रही है। पुलिस बल के जवानों ने यूपी में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की तलाशी ली। अपराध तथा अपराधियों पर पैनी नजर रखते हुए उन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। विधानसभा क्षेत्र दुद्धी कर रही है। नक्सल प्रभावित इलाके में सोमवार को अंतिम चरण के होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पड़ोसी प्रांत की पुलिस के सहयोग से अवांछनीय तत्वों के आवाजाही पर नकेल कसने के लिए संयुक्त रूप से अभियान जारी है। इसके साथ ही रविवार को नक्सल प्रभावित इलाके के बूथों पर फोर्स के साथ पोलिग पार्टियों के पहुंचने का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। उन्हें सुरक्षित पोलिग बूथ तक पहुंचाने के लिए रूट चार्ट के साथ संबंधित थाने के पुलिस फोर्स को लगाया गया था जिससे किसी को कोई समस्या उत्पन्न हो।

मीरजापुर के पांच विधानसभा सीट पर मतदान जारी, तीन बजे तक 44.66 प्रतिशत वोटिंग

मीरजापुर । जिले की पांच विधानसभा सीट के लिए सोमवार चुनाव के लिए मतदान जारी है। मीरजापुर में इस वर्ष 80 मतदान केंद्र और 179 मतदेय स्थल अर्थात बूथों में बढ़ोतरी हुई है। चुनाव में 1893288 अपने मताधिकार का प्रयोग शुरू कर दिए। इसमें से 993775 पुरुष और 899383 महिला मतदाता हैं। वहीं 130 थर्ड जेंडर भी अपने मताधिकार का हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने जिले की पांचों सीट जितने का दावा किया। उन्होंने नगर के बरौंधा कचार स्थित सेंट मेरिज स्कूल के मतदान केंद्र पर वोट दिया। इसके बाद उन्होंने कहा कि लोग सुशासन व विकास के मुद्दे पर मतदान कर रहे हैं। जिले में राजग के सभी प्रत्याशी चुनाव जीत रहे हैं। प्रदेश में फिर बहुमत से एनडीए की सरकार का गठन होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार ने कई काम किये जिस पर जनता का भारी समर्थन मिल रहा है। बाणसागर परियोजना, मेडिकल कालेज, हाइवे, विंध्य कॉरिडोर समेत सभी बड़े कार्य हमारी साकार ने कराए हैं। ऐसे में एक बार प्रदेश में राजग की सरकार बनेगी। पांच पोलिंग बूथों पर मशीन के खराबी के चलते मतदान देर से शुरू हुआ जिसमें कुंहकी बूथ संख्या 31में वीवी पैड मशीन खराब होने के कारण मतदान 45 मिनट देर से शुरु हुआ। रैकरी में बूथ संख्या 143,144दोनों पर एवीएम खराब होने की सूचना पर नायब तहसीलदार बिंदु नंदन सिंह पहुंच कर जायजा लेते हुए मशीन बदली गई। वही अटारी मे बूथ संख्या 210 पर एवीएम बदली गई करौंदा 162 पर एवीएम बदली गई। गोपलपुर बूथ संख्या 116 पर खराबी के कारण मतदान एक घंटे देर से शुरू हुआ। बूथ संख्या 181पर वीवी पैड मशीन बदली गई। क्षेत्र के 445 बूथों में मडिहान देवरी समेत बूथों को पिंक बूथ बनाया गया है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह व उनके पुत्र भाजपा प्रत्याशी अनुराग सिंह ने मगरहां स्थित पोलिंग बूथ पर अपने

मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद उंगली में लगी अमिट स्याही दिखाते पिता-पुत्र। मीरजापुर में 60 प्रत्याशी चुनाव मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। भाजपा सीट से ऊर्जा राज्यमंत्री व मडिहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल मडिहान, मीरजापुर रतनकर मिश्रा, चुनार अनुराग सिंह तथा भाजपा व अपना दल सोने लाल गठबंधन से एक बार फिर राहुल प्रकाश कोल चुनाव मैदान में हैं और अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। वहीं बसपा से पूर्व सांसद नरेंद्र सिंह कुशवाहा भी मडिहान विधानसभा सीट से दावेदारी कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान के बाद मतदाता खासकर युवाओं के लिए सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार लक्ष्कार द्वारा जिले भर में 126 बूथों पर सेल्फी प्वाइंट बनवाया गया है। युवाओं ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लिया और मतदान संबंधी यादों को सहेजा। विधानसभा मीरजापुर में भाजपा से मौजूदा विधायक रतनकर मिश्रा, समाजवादी पार्टी से कैलाश चौरसिया, कांग्रेस से भगवान दत्त पाठक राजन, बसपा से राजेश पांडेय, गरीब सामना पार्टी से अनवर अली, राष्ट्रीय समाज दल आर से धनंजय कुमार, आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लमीन से बदरूददीन हासमी, राष्ट्रीय समाज पक्ष से एडवोकेट बालेश्वर प्रसाद यादव, सुरक्षा समाज पार्टी से विपिन कुमार श्रीवास्तव, आम आदमी पार्टी से सुरेश सिंह एडवोकेट, नेशनल डेमोक्रेटिक पिपुल्स फ्रंट से संतोष कुमार तमनन , आजाद समाज पार्टी से संदीप कुमार सोनकर, निर्दल चंद्रिका प्रसाद और जगदीश प्रसाद जगत शास्त्री चुनाव लड़ रहे हैं।

मतदान से पूर्व बाहर किए गए गैर जिलों से आए नेता

सोनभद्र। विधानसभा चुनाव के तहत मतदान सात मार्च को होना है। इस दौरान चुनाव में किसी तरह का खलल न पड़े, बाहरी लोगों का हस्तक्षेप न हो, इसको लेकर प्रशासन व पुलिस अलर्ट है। रविवार को क्षेत्राधिकारियों की अगुवाई में राबट्र्सगंज के साथ ही अन्य थानों के दिशा निर्देश के क्रम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक एसएन मिश्र व चौकी कस्बा प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने जिला मुख्यालय स्थित सभी होटल ढाबों पर चेकिग अभियान चलाया। इस दौरान गैर जनपद के रहने वाले नेता व संदिग्धों की तलाश की गई और संबंधों को आवश्यक

की पुलिस ने होटलों व ढाबों की जांच की। बाहर से आकर यहां ठहरे गैर जनपद के नेताओं को यहां से उनके जिले में भेजा गया। सीओ सिटी राजकुमार त्रिपाठी ने बताया कि चुनाव आयोग व पुलिस अधीक्षक कड़े निर्देश दिए गए। जांच के दौरान चुर्क चौकी इंचार्ज जितेंद्र कुमार, छेदी सिंह, रविद्रनाथ मिश्र, कैलाश नाथ पांडे, मुख्तार यादव, अजीत यादव, जय यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बेंगलुरु टेस्ट के लिए कुलदीप यादव को टीम से किया गया बाहर और इस खिलाड़ी को मिली एंट्री

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया को दूसरा टेस्ट मैच बेंगलुरु में खेलना है। इस डे-नाइट टेस्ट मैच से पहले

चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को भारतीय टेस्ट टीम के बाहर कर दिया गया है। कुलदीप यादव की जगह टेस्ट टीम में अक्षर पटेल को शामिल किया गया है जो अब पूरी तरह से फिट हैं। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने कुलदीप यादव को बाहर करने का फैसला इस वजह से लिया क्योंकि अक्षर पटेल फिट हो गए हैं। अक्षर पटेल टीम इंडिया के साथ मोहाली में ही जुड़ गए थे। भारत ने मोहाली टेस्ट मैच में श्रीलंका को पारी और 222 रन से हराया था। अक्षर पटेल की बात करें तो वो इंजरी की वजह से काफी समय से टीम से बाहर चल रहे थे और वो साउथ अफ्रीका टूर पर टीम इंडिया के साथ नहीं जा पाए थे। इसके बाद वो वेस्टइंडीज के खिलाफ भी नहीं खेल पाए थे साथ ही वो श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे। अब पूरी तरह से फिट हो चुके अक्षर पटेल श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में भी नहीं खेल पाए थे। भारतीय टीम मैनेजमेंट का मानना है कि टीम में तीन बाएं हाथ के स्पिनर की जरूरत नहीं है। रवींद्र जडेजा टीम में पहले से ही हैं और अक्षर के आने से दो बाएं हाथ के स्पिनर हो जाएंगे। वहीं आर अश्विन और जयंत यादव भी पहले से ही टीम में हैं। बीसीसीआइ के एक सूत्र ने पीटीआइ से कहा कि अक्षर पटेल सेलेक्टर्स की पहली पसंद थे, लेकिन वो रिकवरी कर रहे थे इसकी वजह से कुलदीप यादव को टीम में बैकअप के तौर पर रखा गया था। अब अक्षर पटेल फिट होकर आ गए हैं तो कुलदीप यादव को रिलीज कर दिया गया है। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच 12 मार्च से खेला जाएगा।

अश्विन ने तोड़ा कपिल देव का रिकार्ड, टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने

नई दिल्ली। भारत के स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने द ग्रेट कपिल देव के टेस्ट क्रिकेट में 434 विकेटों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया है। मोहाली टेस्ट से पहले अश्विन के नाम 430 विकेट थे और वे कपिल देव के 434 विकेटों से 4 विकेट पीछे थे। इस मैच की पहली पारी में अश्विन ने दो विकेट जबकि दूसरी पारी में 3 विकेट (खबर लिखे जाने तक) लेकर ये रिकार्ड बनाया। अश्विन ने 435वें विकेट के रूप में श्रीलंका के असलांका को आउट किया। कपिल देव ने 131 मैचों में 434 विकेट लिए थे जबकि अश्विन ने महज 85वें टेस्ट मैच में ये कामयाबी अपने नाम दर्ज की। अश्विन अब भारत की तरफ से टेस्ट मैचों में विकटों के मामले में अनिल कुंबले के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। कुंबले के टेस्ट मैचों में 619 विकेट हैं। हालांकि टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में अब अश्विन ओवरआल 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अश्विन ने अपने टेस्ट करियर में 31 बार 5 विकेट जबकि 7 बार 10 विकेट लिया है। वनडे में अश्विन ने 113 मैचों में भारत के लिए 151 विकेट जबकि टी20 में 51 मैचों में 61 विकेट लिए हैं।अश्विन को इस उपलब्धि पर सचिन तेंदुलकर ने शुभकामनाएं दी है। सचिन ने ट्विट कर कहा कि कपिल पाजी को पीछे छोड़ना अपने आप में एक लैंडमार्क है। टेस्ट मैच में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में नंबर वन पर श्रीलंका के गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन जबकि दूसरे और तीसरे नंबर पर शेन वार्न और जेम्स एंडरसन हैं। चौथे नंबर पर भारतीय गेंदबाज अनिल कुंबले का कब्जा है। इस मैच में अश्विन ने बैट से भी कमाल किया है। पहली पारी में अश्विन ने 61 रनों की शानदार पारी खेली थी और अब गेंदबाजी में 5 विकेट झटक चुके हैं। अश्विन का ये सफर यहीं नहीं रुकने वाला है। 12 मार्च को बेंगलुरु टेस्ट जोकि डे-नाइट होने वाला है। उस टेस्ट में अश्विन के पास दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज डेल स्टेन के 439 विकेटों के रिकार्ड को पीछे छोड़ने का मौका होगा।

रविचंद्रन अश्विन ने ही नहीं जडेजा ने भी तोड़े मोहाली टेस्ट में कपिल देव के रिकार्ड

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच मोहाली में खेला जा रहा पहला टेस्ट द ग्रेट आलराउंडर कपिल देव के लिए यादगार हो गया। इस मैच में उनके

एक नहीं दो-दो रिकार्ड टूटे। पहले रिकार्ड की बात करें तो रवींद्र जडेजा ने भारत की पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 175 रन की पारी खेली। उन्होंने 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले कपिल देव के रिकार्ड को तोड़ दिया। इससे पहले ये रिकार्ड कपिल देव के नाम था जिन्होंने 1986 में श्रीलंका के खिलाफ ही 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 163 रनों की पारी खेली थी। इस सूची में तीसरे नंबर पर भारत के विकेटीकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत हैं जिन्होंने 2019 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ इस नंबर पर खेलते हुए नाबाद 159 रन की पारी खेली थी। इस मैच में रविचंद्रन अश्विन ने द ग्रेट कपिल देव के 434 विकेटों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। अश्विन ने अपने 85वें टेस्ट मैच में श्रीलंका के बल्लेबाज असलांका को अपना 435वां शिकार बनाया। अब अश्विन के टेस्ट मैच में 435 विकेट हो गए हैं और वे सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। पहले नंबर पर अनिल कुंबले हैं जिन्होंने 132 टेस्ट मैचों में 619 विकेट लिए हैं। मोहाली टेस्ट से पहले अश्विन के नाम 84 टेस्ट मैचों में 430 विकेट थे। क्रिकेट फैंस को भरोसा था कि वो इस मैच में कपिल देव के रिकार्ड को जरूर पीछे छोड़ देंगे और उन्होंने ऐसा कर दिखाया। उनके इस उपलब्धि पर सचिन तेंदुलकर और पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने शुभकामनाएं दी है। पार्थिव ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अश्विन ने हरभजन सिंह और कपिल देव जैसे लीजेंड को पीछे छोड़ा है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि क्या वे अनिल कुंबले के रिकार्ड को भी पीछे छोड पाएंगे।

पूजा ने वर्ल्ड कप डेब्यू मैच में पाकिस्तान के खिलाफ खेली तूफानी पारी, स्नेह के साथ की शतकीय साझेदारी

नई दिल्ली। आइसीसी महिला वर्ल्ड कप 2022 के पहले ही मैच में पूजा वस्त्रकार ने अपनी पारी के दम पर टीम इंडिया को बड़े संकट से निकाल लिया और उनका भरपूर साथ देते हुए सन्हे

राणा ने भी बल्लेबाजी में जमकर अपने हाथ दिखाए। पूजा पहली बार महिला वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रही हैं और पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने जबरदस्त पारी खेली और वो भी तब जब वो इंजरी से जूझ रही थीं। इंजरी के बावजूद उन्होंने जिस तरह की पारी खेली वो अपने आप में कमाल का रहा। इस मैच में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और भारत का पहला विकेट सिर्फ चार पर गिर गया था जब शेफाली वर्मा शून्य पर आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना ने 52 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला जरूर, लेकिन फिर मध्य में भारतीय बल्लेबाजी पूरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम का स्कोर 6 विकेट पर 114 रन था। ऐसा लग रहा था कि भारतीय टीम शायद ही 150 तक भी पहुंच पाए, लेकिन निचली क्रम की बल्लेबाज पूजा और सन्हे ने भारत को संकट से निकाल दिया। पूजा और सन्हे ने सातवें विकेट के लिए 122 रन की शतकीय साझेदारी करके टीम को संकट से निकाल दिया और जब पूजा 67 रन पर आउट हुईं तब भारत का स्कोर 7 विकेट पर 236 रन था। पूजा ने 59 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से 67 रन बनाए जबकि सन्हे राणा 48 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से नाबाद 53 रन बनाए। निचले क्रम पर इन दोनों की शानदार बल्लेबाजी के कारण ही भारत ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 244 रन बनाए और पाकिस्तान को जीत के लिए 245 रन का टारगेट दिया।

रोहित ने बतौर कप्तान डेब्यू टेस्ट में श्रीलंका को पारी व 222 रन से हराने के बाद बताया, उनके लिए क्या है सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने बतौर टेस्ट कप्तान अपने सफर की शुरुआत बेहद शानदार अंदाज में की। कप्तान के तौर पर अपने पहले ही टेस्ट मैच में उन्होंने

श्रीलंका पर पारी और 222 रन से बड़ी जीत दर्ज की और भारत की तरफ से दूसरे ऐसे कप्तान बने जिन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट में ही किसी टीम को पारी के अंतर से हराया। अपनी टीम को इस तरह की जीत दिलाने के बाद भी रोहित शर्मा ने बताया कि आने वाले समय में उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या होगी। पहले मैच में जीत दर्ज करने के बाद मीडिया के बात करते हुए प्रेस कांफ्रेंस के दौरान रोहित शर्मा ने अपनी सबसे बड़ी चुनौती के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अगर आप उस तरह की बेंच स्ट्रेंथ बनाते हैं तो अभी से सोचना शुरू करते हैं तभी भारतीय क्रिकेट सही हाथों में होगा। भारत के लिए एक शानदार बेंच स्ट्रेंथ तैयार करना मेरी चुनौतियों में से एक है और मेरी जिम्मेदारियों में से एक है। मुझे कई बातों को ध्यान में रखते हुए उस तरह की बेंच स्ट्रेंथ बनाना है। श्रीलंका के खिलाफ कुछ सीनियर खिलाड़ी नहीं खेल रहे हैं और ऐसे में रोहित ने युवा खिलाडियों को मौका देने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मैच को जीतने से ज्यादा मेरे लिए जरूरी ये है कि मैं उन खिलाडियों से कैसे अप्रोच करूं जो बाहर बैठे हैं और मैं उन्हें अच्छी मानसिकता में कैसे ला सकता हूं ताकि जब उन खिलाडियों को मौका मिले तो उन्हें पता होना चाहिए कि उन्हें मैदान पर जाकर क्या करना है और वो क्या हासिल करना चाहते हैं। इस तरह की सोच से उनके प्रदर्शन पर असर होगा चाहे हम मैच को जीते या फिर हारें। रोहित शर्मा ने कहा कि आप सिर्फ ये नहीं कह सकते हैं कि आपको सिर्फ मैच जीतना है। गेम जीतने के दौरान आपको कई चीज करने की आवश्यकता होती है जिसमें बेंच स्ट्रेंथ बनाना, खिलाडियों को स्पष्टता देना, एक अच्छा माहौल बनाना जिससे कि खिलाड़ी मानसिक तौर पर खुश रह सकें और अच्छा प्रदर्शन करें। आपको बता दें कि श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच भारत ने जीत लिया है और अब दोनों देशों के बीच दूसरा टेस्ट मैच बेंगलुरु में 12 मार्च से खेला जाएगा जो डे-नाइट होगा।

श्रीलंका के इस बल्लेबाज को रवींद्र जडेजा ने एक ही दिन में दो बार किया आउट, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली। रवींद्र जडेजा ने मोहाली टेस्ट में गजब का आलराउंड प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाजी में उन्होंने अपने टेस्ट करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली तो वहीं गेंदबाजी में भी विरोधी टीम पर पूरी तरह से हावी रहे। इस मैच वो जडेजा ने खेल के तीसरे दिन अपनी गेंदबाजी से वो कमाल कर दिखाया जो उनसे पहले भारतीय टेस्ट क्रिकेट

इतिहास में किसी अन्य गेंदबाज ने नहीं किया था। इस मैच में भारत ने पहली पारी में 574 रन बनाए थे और श्रीलंका की टीम भी पहली पारी में मैच के तीसरे दिन 174 रन पर आल आउट हो गई। इसके बाद भारत ने श्रीलंका को फालोआन दे दिया और फिर से बल्लेबाजी करने को कहा। अब मैच के तीसरे दिन रवींद्र जडेजा ने पहली पारी में सुरंगा लकमल को जीरो के स्कोर पर आर अश्विन के हाथों कैच आउट करवा दिया। तो वहीं जब तीसरे दिन ही दूसरी पारी में लकमल फिर से बल्लेबाजी करने आए तो जडेजा ने एक बार फिर से उन्हें जीरो पर जयंत यादव के हाथों कैच आउट करवा दिया। भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में एक ही दिन में विरोधी टीम के किसी खिलाड़ी को दो बार आउट करने का कमाल पहली बार रवींद्र जडेजा ने कर दिखाया। रवींद्र जडेजा ने मोहाली टीम में भारत को जीत दिलाने में सबसे अहम भूमिका निभाई और गजब का आलराउंड प्रदर्शन बैट व बाल के जरिए किया। उन्होंने पहले नाबाद 175 रन की पारी खेली और फिर पहली पारी में श्रीलंका के खिलाफ पांच विकेट लिए जबकि दूसरी पारी में चार विकेट चटकाए। उन्हें प्लेयर आफ द मैच भी चुना गया। महज 3 दिनों में मोहाली टेस्ट में जीत। कमाल! जडेजा आप असली रॉकस्टार हैं! 9 विकेट और 175 रन इसमें कोई शक नहीं की आप इस वक़्त दुनिया के नंबर 1 ऑल राउंडर हैं। और प्रभावशाली कप्तानी के लिए रोहित शर्मा भी बधाई के पात्र हैं।

मिताली राज ने रचा इतिहास, छह महिला वर्ल्ड कप खेलने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बनीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज आइसीसी महिला वर्ल्ड कप 2022 के पहले लीग मैच में पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ मैदान पर जैसे ही उतरीं उन्होंने इतिहास रच दिया। मिताली राज अब सबसे ज्यादा आइसीसी महिला वर्ल्ड कप टूर्नामेंट खेलने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं। हालांकि पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 36 गेंदों का सामना करते हुए सिर्फ छह रन बनाए। मिताली राज दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं जिन्होंने अब तक कुल छह आइसीसी महिला वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया है। मिताली राज ने एक साथ डेबी हाक्ले और कारलोट एडवर्ड्स का रिकार्ड तोड़ दिया जिन्होंने पांच-पांच महिला वर्ल्ड कप खेले थे। वहीं झूलन गोस्वामी और कैथरीन ब्रंट का भी यह पांचवां महिला वर्ल्ड कप टूर्नामेंट है। मिताली राज 2022 से पहले 2000, 2005, 2009, 2013 और 2017 महिला वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुकी हैं। मिताली राज दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं जिन्होंने अब तक कुल छह आइसीसी महिला वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया है। मिताली राज ने एक साथ डेबी हाक्ले और कारलोट एडवर्ड्स का रिकार्ड तोड़ दिया जिन्होंने पांच-पांच महिला वर्ल्ड कप खेले थे। वहीं झूलन गोस्वामी और कैथरीन ब्रंट का भी यह पांचवां महिला वर्ल्ड कप टूर्नामेंट है। मिताली राज 2022 से पहले 2000, 2005, 2009, 2013 और 2017 महिला वर्ल्ड कप में हिस्सा ले चुकी हैं। मिताली राज बेशक दुनिया की पहली ऐसी महिला खिलाड़ी बनीं जिन्होंने छह महिला वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया है तो वहीं पुरुष खिलाडियों में सचिन तेंदुलकर और पाकिस्तान के जावेद मियांदाद छह-छह वनडे वर्ल्ड कप खेल चुके हैं। अब मिताली राज ने इन दोनों की बराबरी कर ली।

देखिए आइपीएल 2022 का पूरा कार्यक्रम, इस बार खेले जाएंगे 12 डबल हेडर मुकाबले

मुंबई। गत चैंपियन चेनन्ई सुपरकिंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच 26 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले मुकाबले से इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के 15वें चरण का आगाज

होगा।बीसीसीआइ ने रविवार को इसके कार्यक्रम की घोषणा की जिसके मुकाबले चार स्टेडियमों, मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम और ब्रेबोर्न-सीसीआइ, नवी मुंबई में डीवाई पाटिल स्टेडियम और पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले जाएंगे। बीसीसीआइ सचिव जय शाह ने कहा, '65 दिन में कुल 70 लीग मैच और चार प्लेआफ मुकाबले खेले जाएंगे।' टूर्नामेंट में 12 डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) होंगे और इन दिनों में पहला मैच दोपहर साढ़े तीन बजे और शाम का मैच साढ़े सात बजे शुरू होगा। पहला डबल हेडर 27 मार्च को होगा जिसमें दिन का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच होगा। फिर शाम को पंजाब किंग्स का सामना रायल चैलेंजर्स बेंगलोर से होगा। पुणे में पहला मैच 29 मार्च को खेला जाएगा जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रायल्स आमने सामने होंगी। बीसीसीआइ ने कहा कि प्लेआफ और फाइनल के कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी।

राशिफल

मेष-:आज आपका दिन सकारात्मकता से भरा रहेगा. यह सकारात्मकता आपके काम में भी साफ तौर पर दिखाई देगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित व्यायाम करें।

वृष-:आज आपको व्यवसाय के मामले में खुद को साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है. वरिष्ठों को खुश करना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

मिथुन-:आज के दिन हर कदम सोच-समझकर लेने की जरूरत है. पारिवारिक मामलों को सबके साथ साझा न करें। रोजगार और रोजगार में किया गया निवेश फायदेमंद रहेगा।

कर्क-:आज के दिन ऐसे लोगों के साथ जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचा सकते हैं. जीवनसाथी की ओर से जान-बूझकर आपको भावनात्मक चोट लग सकती है, जिससे उदास हो सकते हैं।

सिंह-:आज आपके परिवार में खुशियों की वृद्धि होगी. संतान की शिक्षा में उन्नति संभव है। माता-पिता का स्वास्थ्य आज बहुत अच्छा रहेगा। उनसे भी आपको पूरा सहयोग मिलने की उम्मीद है

कन्या-: अत्यधिक फिजूलखर्ची से आर्थिक परेशानी हो सकती है. आप चिड़चिड़े महसूस करेंगे और आपके आत्मविश्वास का स्तर गिर सकता है। आपके गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध कार्य कर सकते हैं

तुला-:आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. आज आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। किसी मित्र की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है।

वृश्चिक-: आज का दिन भागदौड़ भरा रहेगा. ऑफिस के सारे काम आप आसानी से पूरे कर लेंगे। किसी अनजान व्यक्ति से अनबन हो सकती है, जितना हो सके उससे बचें।

धनु-:आज आप दूसरों की मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन लोगों तक पहुंचने की कोशिश करें जो आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। आज आप अपने घर में सुख-शांति की उम्मीद कर सकते हैं।

मकर-:आज आपको शुभ समाचार मिलेगा. सुबह व्यायाम करें, अतिरिक्त लाभ मिलेगा। आपका पार्टनर काफी नाराज़ रहेगा फिर भी अपने जीवन की सभी समस्याओं को नज़रअंदाज करते हुए।

कुंभ-:आज आपकी लोकप्रियता में वृद्धि संभव है. इस अवधि के दौरान व्यावसायिक संदर्भ में कुछ छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। अपनी कार्य क्षमता का उपयोग करने से आप हर पल सफल होंगे।

मीन-:आज का दिन अच्छा रहेगा. कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। लवमेट के साथ आपका दिन अच्छा बीतेगा, साथ में लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं।

सम्पादकीय

व्यावहारिक समाज में पहेली बनी योग्यता का चुनाव

महाभारत में सबसे बड़ा सवाल यही है कि योग्य कौन है और यदि कोई योग्य है तो उसे समाज द्वारा कैसे प्रोत्साहन दिया जाएगा। समूचे विश्व में सामाजिक संघर्ष की एक बड़ी लड़ाई इसी सवाल के ईद-गिर्द ही घूमती है। वर्ष 1958 में ब्रिटिश समाजशास्त्री और राजनीतिज्ञ माइकल यंग ने एक पुस्तक लिखी- द राइज आफ मेरिटोक्रेसी। इस पुस्तक में उन्होंने एक ऐसे समाज की बात कही जहां व्यक्तियों को पद, सत्ता और आर्थिक संपन्नता उनकी योग्यता के आधार पर प्राप्त होगी। पश्चिमी देशों में आज भी इस तरह के मंतव्य के आधार पर योग्यता को मौका दिया जाता है। लेकिन इससे इतर सबसे बड़ा प्रशन् यह है कि योग्यता का पैमाना कैसे तय किया जाए कि कौन योग्य है और कौन नहीं। योग्यता का निर्धारण करते समय प्रत्येक व्यक्ति को मिल रहे अवसरों की समानता, सामाजिक-आर्थिक और लैंगिक असमानता के स्तर को भी ध्यान में रखना होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि जिस व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व के विकास का अवसर ही नहीं मिला, तो क्या वह अयोग्य माना जाएगा? हमारे जटिल समाज में विविध जाति, प्रजाति, धर्म, बोली, भाषा व लिंग पर आधारित तथ्यों और इन तथ्यों से जुड़ी असामनता से भी किसी व्यक्ति की योग्यता का निर्धारण होता है, इस बिंदु को नकारा नहीं जा सकता। भारतीय संविधान के निर्माता इस बात से बहुत अच्छे से अवगत थे, इसलिए उन्होंने संविधान का निर्माण करते समय अवसरों की समानता को सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक व आर्थिक न्याय की संकल्पना को भी पूरा स्थान दिया। निश्चित तौर पर समाज में सामाजिक व आर्थिक रूप से संपनन् व्यक्ति की अगली पीढ़ी को जो अवसर प्राप्त होंगे, वे अवसर वंचित समुदाय की अगली पीढ़ी के लिए दूर की कौड़ी होंगे। ऐसे में सामाजिक और आर्थिक न्याय के लिए प्रयास करना किसी भी कल्याणकारी राज्य के लिए एक अनिवार्य पहलू है और कोई भी सभ्य समाज इस बिंदु को नकार नहीं सकता। वैसे हम देश-दुनिया के बड़े सफल नामों को देखें तो उनमें से बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो साधारण पृष्ठभूमि से ही आगे आए और अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। लेकिन ऐसे लोग गिनती के हैं और बड़ी संख्या में ऐसे ही लोग ज्यादा सफल हैं जो पीढ़ीगत तौर पर मजबूत स्थिति में रहे हैं। ऐसे में यह बात स्पष्ट हो जाती है कि सामाजिक असमानता को नजरअंदाज कर केवल योग्यता मूलक समाज की परिकल्पना एक आदर्श राज्य की परिकल्पना है, जहां समाज में व्याप्त असमानताएं समाप्त हो चुकी हों। लेकिन किसी जटिल समाज में सामाजिक न्याय ही भेदभाव का रूप न बन जाए और योग्यता के विकास को न रोक सके, यह कैसे सुनिश्चित किया जाए। भारत के संदर्भ में समाजशास्त्रियों का एक वर्ग यह भी मानता है कि यहां सामाजिक व आर्थिक न्याय को सुनिश्चित करने के क्रम में पिछड़ेपन की दौड़ भी प्रारंभ हुई है। लोकतंत्र में सामाजिक व आर्थिक न्याय का लक्ष्य असमानता को दूर करना था, लेकिन इसका एक विपरीत प्रभाव यह भी हुआ कि लोकतंत्र में संसाधनों में पहुंच स्थापित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा समूह स्वयं को वंचित श्रेणी में लाना चाहते हैं। इस असमानता के स्थायी चक्र को तोड़ कर सामाजिक व आर्थिक न्याय का विरोधी होने का आरोप कोई भी नहीं लेना चाहता। भारत में लोकतांत्रिक तंत्र का यह एक नकारात्मक प्रभाव है जो योग्यता के चुनाव में प्रभावी है। लेकिन एक अन्य सकरात्मक पहलू भी है, भूंमडलीकरण से उपजी बाजारी अर्थव्यवस्था और इंटरनेट मीडिया के उदय के बाद अब योग्यता के प्रदर्शन के लिए अवसर पहले से ज्यादा बेहतर है और यहां किसी व्यक्ति की पृष्ठभूमि से ज्यादा सफलता की गांरटी इस बात पर है कि उसके पास आइडिया क्या है और क्या वह आइडिया बाजार की जरूरतों को पूरा कर सकता है। क्या वह आइडिया लोकप्रियता हासिल कर सकता है और यदि ऐसा है तो कोई मूंगफली बेचने वाला भी रातों-रात इंटरनेट मीडिया सनसनी बन सकता है। बाजारवादी व्यवस्था की गलाकाट कमियों के बीच में यह एक बड़ा मौका भी है। युवाओं को बाजार से पैदा हो रहे इन मौकों का भरपूर फायदा उठाना चाहिए और अपनी योग्यता को साबित करना चाहिए। " और वह अपनी सक्षम आय सीमा के भीतर ऐसा कर सकता है, लेकिन सामाजिक व्यवस्था में ऐसा नहीं होता और सभ्य लोकव्यवस्था इस मूल्य को स्थापित करने का प्रयास करती है कि समाज में असमानता का स्तर घटे और सामाजिक व आर्थिक न्याय सुनिश्चित हो।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से पर्यावरण पर व्यापक दुष्प्रभाव की आशंका

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध लंबा खिंचता जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने परमाणु हथियारों से संबंधित अपनी टीम को हाई अलर्ट मोड पर रखने का आदेश दिया है। यदि दुर्भाग्यवश इस युद्ध में परमाणु हथियारों का उपयोग किया गया तो इसका दुष्प्रभाव समूचे विश्व पर होगा। परमाणु बमों के विस्फोटों से 1.6 से 3.6 करोड़ टन धूल और राख उड़कर वातावरण में कई किमी ऊपर तक लंबे समय के लिए छा जाएगी जिससे धरती पर पडे वाली सूर्य की रोशनी में 20 से 35 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। ऐसे में धरती का तापमान दो से पांच डिग्री सेल्सियस तक कम होने की आशंका जताई जा रही है। इससे बारिश में 15 से 30 प्रतिशत कमी हो सकती है जिससे फसलों के उत्पादन पर असर की आशंका बढ़ जाएगी। नतीजन भुखमरी जैसी समस्या उत्पन्न हो सकती है। सूर्य से निकलने वाली पराबैंगनी किरणों से धरती की रक्षा करने वाली ओजोन परत पूरी तरह छिनन्-भिनन् हो जाएगी। परमाणु विकिरण और आण्विक तत्वों के कहर से यदि कोई जीवित रहा तो उसे पराबैंगनी किरणें समाप्त कर देंगी। कुल मिलाकर युद्ध से करोड़ों वर्षों में विकसित मानव सभ्यता तबाह हो जाएगी। आज विश्व में 50 हजार से ज्यादा परमाणु हथियार हैं और प्रत्येक हथियार की क्षमता जापान के हिरोशिमा और नागासाकी जैसे किसी भी शहर को एक झटके में विनाश करने के लिए उपयुक्त है। एक शोध रिपोर्ट के अनुसार इन हथियारों से समूची धरती को दर्जनों बार मिटाया जा सकता है। परमाणु बम में सबसे अधिक खतरनाक हाइड्रोजन बम है, जिसकी विनाशक क्षमता लगभग दो करोड़ टीएनटी आंकी गई है। मालूम हो कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने जो सबसे बड़ा बम (गैर परमाणु) गिराया था, उसकी विध्वंसक क्षमता लगभग 20 टीएनटी थी। साथ ही जापान के हिरोशिमा पर गिराया गया परमाणु बम इससे करीब 600 गुना ज्यादा प्रभावी था। ऐसे में आसानी से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि मात्र एक हाइड्रोजन बम धरती पर कितनी तबाही मचा सकता है। अपनी व्यापक विध्वंसक क्षमता के कारण ये परमाणु बम दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ते हैं। परमाणु विकिरण के कारण पुनः उत्पन्न होने वाली गामा किरणें पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाली शारीरिक अक्षमता और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को पैदा करती हैं। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1945 के बाद से अमेरिका ने हर नौ दिन में एक के औसत से परमाणु परीक्षण किया है।

मौजूदा दौर में जनमत निर्माण में पश्चिमी मीडिया के वर्चस्व को तोड़ना अब और जरूरी हो गया है

इन दिनों रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। सारी दुनिया की निगाहें इन दोनों देशों के ऊपर लगी हुई हैं। इसके अलावा साइबर मैदान में भी एक लड़ाई हो रही है, जिसे हम सूचना युद्ध के नाम से जानते हैं। जहां इंटरनेट और मीडिया कंपनियों के सहारे छवि निर्माण की होड़ मची है। एक तरफ हैं अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश, जो मानते हैं कि रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन सारी दुनिया के लिए खतरा हैं। दूसरी ओर रूस के राष्ट्रपति सारी दुनिया को यह समझाने में लगे हैं कि रूस का गौरव सर्वोपरि है। किसी युद्ध में जब हम किसी देश के बारे में राय बनाते हैं तो उसमें मीडिया से मिली सूचनाओं की बड़ी भूमिका होती है। हालांकि युद्ध अपने आप में खुद समस्या है। इससे किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता, लेकिन इंटरनेट मीडिया के इस दौर में जनमत निर्माण का काम सिर्फ कुछ जनमत निर्माताओं यानी मीडिया के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है, क्योंकि वे अपना हित साधने वाली बातें ही जनता तक पहुंचाते हैं। इससे दूसरे पक्ष की आवाज लोगों तक नहीं पहुंच पाती। शायद यही वजह है कि रूस ने अमेरिकी कंपनी मेटा (फेसबुक) के बाद ट्विटर पर भी रोक लगा दी है। रूसी सरकार का आरोप है कि दोनों साइट उसके खिलाफ दुष्प्रचार कर रही हैं। फेसबुक ने रूस की स्थानीय मीडिया पर यूक्रेन में उसकी सैन्य कार्रवाई पर विज्ञापन चलाने को लेकर रोक लगाई थी। जवाब में फेसबुक ने पूरे यूरोपीय संघ में रूसी राज्य मीडिया आउटलेट आरटी और स्पुतनिक को ब्लाक किया है। गूगल ने भी रशिया टुडे और स्पुतनिक के यूट्यूब चैनल को ब्लाक कर दिया है। अमेरिका का इतिहास ही ऐसी नीतियों का रहा है, जो उसके व्यावसायिक हितों की पूर्ति करें। वह ऐसी संस्थाओं का संरक्षण करता है, जो उसके हितों को साधने में मददगार बने। वर्ष 2003 में अमेरिकी नेतृत्व में गठबंधन देशों की सेनाओं ने इराक पर हमला किया था। तब कहा गया था कि इराक में जनसंहार करने वाले हथियारों का जखीरा है। बाद में आई सूचनाओं से साबित हुआ कि इराक के पास ऐसे हथियार नहीं थे। हमला करने के लिए इस मनगढ़ंत कहानी की आड़ ली गई। तब इंटरनेट मीडिया का जन्म नहीं हुआ था। सूचना का मुक्त प्रवाह पश्चिमी चश्मे से ही देखा जाता था। लिहाजा सद्दाम हुसैन का पक्ष दुनिया के सामने वही आया, जो पश्चिमी मीडिया ने दिखाया। इंटरनेट ने जनमत निर्माण के इस खेल को आज भले ही पलट दिया हो, लेकिन इसमें इसका व्यावसायिक पक्ष भी महत्वपूर्ण हो गया है। एक दूसरा पहलू विकिलीक्स से जुड़ा है। विकिलीक्स का जन्म ही इंटरनेट की ताकत और विस्तार के कारण हुआ। इस पर सबसे बड़ी चोट अमेरिका ने ही पहुंचाई। विकिलीक्स द्वारा जारी किए गए सैकड़ों गोपनीय कूटनीतिक संदेशों से सारी दुनिया अमेरिका के दोहरे रवैये को जान गई। इस खुलासे से इंटरनेट मीडिया को नया आयाम मिला। आमतौर पर समाचार पोर्टल टीवी और अखबार

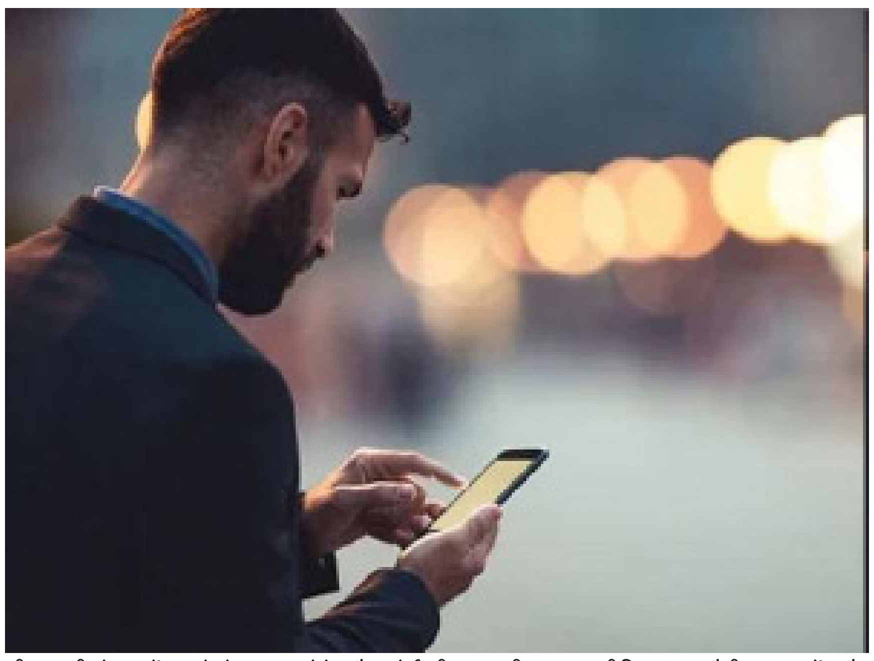

की सामग्री से खबरें बनाते थे, पर पहली बार किसी वेबसाइट से आई सामग्री टीवी और अखबारों की खबरों का आधार बनी। आज अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन समेत तमाम देश रूस और उसके सहयोगियों पर आर्थिक प्रतिबंध लगा रहे हैं। उसी के साथ जनमत बनाने का खेल भी चल रहा है। शुक्र है कि मुक्त इंटरनेट मीडिया हमारे बीच मौजूद है, जो सबकी बातें प्रमुखता से लोगों के सामने रख रहा है। वैसे भी कूटनीति में कोई भी फैसले दो दूनी चार नहीं होते और कोई भी पक्ष पूरी तरह से दोषी या निर्दोष नहीं होता है। यह वर्ष 2003 नहीं है, जब दुनिया के कुछ ताकतवर राष्ट्रों ने एक अनाम रिपोर्ट पर एक देश को युद्ध में झोंक दिया था। आज सूचनाओं के प्रसार में इंटरनेट की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। पश्चिमी मीडिया के इस नजरिये का शिकार भारत भी रहा है। साल 2012 में असम में उत्पनन् समस्या और भारत के कई शहरों से पूवीत्तर के निवासियों का पलायन हुआ। सरकार ने इसके लिए इंटरनेट मीडिया पर फैली अफवाहों और भड़काऊ तस्वीरों को दोषी माना। कार्रवाई करते हुए 245 वेबसाइटों को ब्लाक कर दिया। सरकार के इस फैसले के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय की तत्कालीन प्रवक्ता ने बयान दिया कि अमेरिका इंटरनेट की आजादी के पक्ष में है। भारत सरकार मानवाधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखे। भारत को मानवाधिकार और इंटरनेट की आजादी का पाठ पढ़ाने वाले इस बयान को जरा इस तथ्य के संदर्भ में पढ़ें तो एक बार फिर अमेरिका का व्यावसायिक नजरिया स्पष्ट हो जाएगा। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था विकास केंद्रित हुई है। इसकी गति को बढ़ाने में इंटरनेट की बड़ी भूमिका है। इंटरनेट के अस्तित्व में आने के बाद से इस पर अमेरिकी सरकार, कंपनियों और प्रयोगकर्ताओं का आधिपत्य रहा है, लेकिन अब इसमें तेजी से बदलाव आ रहा है, जिसका केंद्र भारत, रूस, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और ब्राजील जैसे देश हैं। फेसबुक को अन्य देशों की क्षेत्रीय सोशल नेटवर्किंग वेबसाइटों जैसे जापान की मिक्सी, रूस में वोकांते से कड़ी टक्कर मिल रही है। सूचनाओं के प्रसार के साथ-साथ ये लोगों के व्यावसायिक रूप से भी प्रभावित कर रही हैं। जैसे फेसबुक का मतलब महज सोशल नेटवर्किंग नहीं है, बल्कि यह विज्ञापन, मीडिया और नए रोजगार के निर्माण से भी संबंधित है। जाहिर है सूचना क्रांति ने लोगों के मूलभूत अधिकारों और मानवाधिकारों को एक बड़े बाजार में भी तब्दील कर दिया है। जनमत निर्माण इससे भी प्रभावित हो रहा है।

खतरनाक मोड़ लेता यूक्रेन संकट, विश्व शांति के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी बढ़ रहा खतरा

यूक्रेन पर हमला करने के करीब दस दिन बाद रूस जिस तरह कुछ घंटे के लिए युद्ध विराम के लिए राजी हुआ, उससे वह अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि की चिंता करता तो दिखा, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन बातचीत से समस्या के समाधान के लिए तैयार होने वाले हैं। रूस अभी भी राजधानी कीव पर कब्जा करके वहां सत्ता परिवर्तन के लिए आमादा दिख रहा है। उसकी इस कोशिश के चलते वहां भारी तबाही हो सकती है। इसकी एक झलक तब मिली, जब रूसी हमले के दौरान यूक्रेन के सबसे बड़े नाभिकीय संयंत्र के परिसर में आग लग गई। इस घटना ने पूरी दुनिया में चिंता की लहर पैदा कर दी। यूक्रेन पर हमले के बाद से अब तक दोनों देशों के सैकड़ों सैनिक मारे जा चुके हैं। यूक्रेन के तमाम लोगों की भी जान जा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि करीब दस लाख लोगों को पलायन के लिए विवश होना पड़ा है, क्योंकि रूसी सेनाएं नागरिक इलाकों को भी निशाना बना रही हैं। रूस एक सैन्य महाशक्ति अवश्य है, लेकिन उसे यह याद रखना चाहिए कि 21वीं सदी के इस युग में कोई भी देश किसी अन्य देश की संप्रभुता को उस तरह नहीं कुचल सकता, जैसे वह यूक्रेन की संप्रभुता को कुचलना चाहता है। रूस की मानें तो यूक्रेन पर हमला इसलिए जरूरी हो गया था, क्योंकि वह अमेरिका एवं उसके सहयोगी देशों के हाथों में खेल रहा था और इसके चलते उसकी अपनी सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न हो गया था। यह सही है कि यूक्रेन अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो में शामिल होने को तैयार था, लेकिन केवल इस आधार पर उस पर हमले का औचित्य नहीं बनता। यूक्रेन पर रूस के हमले से यह साफ है कि उसने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की ओर से दी जा रही चेतावनियों की परवाह नहीं की, लेकिन शायद वह इसका भी अनुमान नहीं लगा सका कि यूक्रेन की सेना और वहां के लोग उसका इतना डटकर मुकाबला करेंगे। यह संभव है कि वह अपनी सैन्य ताकत के बल पर यूक्रेन को देर सवेर घुटने टेकने के लिए विवश कर दे, लेकिन उसके लिए वहां पर काबिज होना आसान नहीं होगा। उसे यह याद रखना चाहिए कि अफगानिस्तान में सोवियत सेनाओं का क्या हश्र हुआ था रूस को केवल यूक्रेन में कड़े प्रतिरोध का ही सामना नहीं करना पड़ रहा, बल्कि अमेरिका, यूरोप के साथ अन्य देशों के कठोर प्रतिबंधों से भी दो चार होना पड़ रहा है। पुतिन फिलहाल इन प्रतिबंधों से बेफिक्र दिख रहे। इतना ही नहीं, वह परमाणु हमले की धमकियां भी दे रहे हैं। इससे वह विश्व शांति और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खलनायक के तौर पर उभर रहे हैं। शायद वह यह मानकर चल रहे हैं कि रूसी गैस पर यूरोप के एक बड़े हिस्से की निर्भरता इन प्रतिबंधों के असर को खत्म कर देगी, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यूक्रेन संकट पूरी दुनिया पर गंभीर आर्थिक असर डालने वाला साबित हो रहा है। कच्चे तेल के बढ़ते दाम इसका प्रमाण हैं। भारत अभी तक संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ आए सभी प्रस्तावों पर हुए मतदान से अलग रहा है। कई पश्चिमी देशों को भारत का यह रवैया रास नहीं आया, लेकिन यूक्रेन संकट पर भारत का तटस्थ रहना समय की मांग है। यही कारण रहा कि विदेश मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में विपक्षी दलों ने

सरकार के रुख का समर्थन किया। भारत ने भले ही रूस के खिलाफ लाए गए प्रस्तावों पर मतदान न किया हो, लेकिन उसने रूस को यह संदेश देने में संकोच नहीं किया कि वह समस्तघटनाक्रम से विचलित है और हर स्वतंत्र देश की तरह यूक्रेन की संप्रभुता और अखंडता का भी सम्मान आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी पुतिन से अपनी बातचीत में युद्ध रोकने की बात भी कर चुके हैं। वास्तव में भारत ने प्रारंभ से ही कूटनीति के जरिये समस्या के समाधान पर जोर दिया है। भारत के तटस्थ रुख का यह मतलब नहीं कि वह रूस के साथ खड़ा है। इस संदर्भ में भारत ने अपना जो पक्ष रखा, उसे अमेरिका, फ्रांस आदि ने समझा भी है। भारत के लिए इस समय सबसे अधिक आवश्यक है यूक्रेन में फंसे अपने छात्र-छात्राओं की सुरक्षित वापसी। इसके लिए रूस और यूक्रेन, दोनों का सहयोग जरूरी है। दशकों की करीबी मित्रता और रक्षा खरीद के लिए रूस पर निर्भरता के बावजूद भारत ने न केवल रूस को संयुक्त राष्ट्र चार्टर की याद दिलाई है, बल्कि यूक्रेन को मानवीय सहायता भी भेजी है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि जो देश यूक्रेन के पक्ष में खुलकर खड़े हैं, वे भी उसे सहायता देने तक ही सीमित हैं। निःसंदेह इसमें सैन्य मदद भी शामिल है, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति इतने मात्र से संतुष्ट नहीं। पुतिन इस समय जैसे आक्रामक रूप में दिख रहे हैं, वह दुनिया के प्रति उनके बेपरवाही भरे रुख का ही परिचायक है। ऐसे में यह जरूरी है कि भारत सरीखी वैश्विक शक्तियां बातचीत से समस्या के समाधान पर और जोर दें। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि अमेरिका और अन्य देशों ने रूस पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनकी रूसी राष्ट्रपति चिंता नहीं कर रहे। उलटे वह खुद ऐसे देशों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। अब तो इसकी भी आशंका बढ़ गई है कि अपने को मुश्किलों में घिरा देखकर पुतिन कोई ऐसा अप्रत्याशित कदम न उठा लें, जिसके भयावह नतीजे सामने आएं। यूक्रेन संकट जिस तरह गहराता जा रहा है, उसे देखते हुए सवाल उठता है कि आखिर इसका परिणाम क्या होगा? क्या रूस यूक्रेन पर उसी तरह कब्जा कर लेगा, जैसा उसने 2014 में उसके एक हिस्से क्रीमिया पर किया था या वहां अपनी पिट्ठू सरकार बैठा देगा क्या पुतिन का मकसद यूक्रेन का पूरी तरह विसैन्यीकरण करना है सवाल यह भी है कि रूस की मनमानी के खिलाफ अमेरिका और उसके साथी देश किस हद तक जाएंगे इन सवालों के चाहे जो जवाब निकलें, लेकिन यह साफ है कि नाटो देशों और रूस की तनातनी में यूक्रेन एक मोहरा भर बनकर रह गया है। वे यह नहीं देख पा रहे कि केवल प्रतिबंधों से बात नहीं बन रही। दोनों पक्षों का यह रवैया पूरे विश्व की चिंता बढ़ाने वाला है।

यूक्रेन पर पुतिन के आक्रामक दांव ने भारत के समक्ष बढ़ाई संतुलन साधने की चुनौती

यूक्रेन पर रूस के हमले ने भारत के लिए कई चुनौतियां बढ़ा दी हैं। इन चुनौतियों का संबंध आर्थिक, सामरिक, कूटनीतिक एवं मानवतावादी जैसे पहलुओं से है। रक्षा साजोसामान की आपूर्ति के लिए भारत अभी तक रूस पर निर्भर है। इस बीच अमेरिका के साथ भी भारत के व्यापक हित जुड़ते गए। बहरहाल रिश्तों की ये कड़ियां केवल भारत ही नहीं, बल्कि इन दोनों देशों और कई नाटो देशों के लिए भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में भारत का कूटनीतिक समर्थन हासिल करने के लिए रूस और अमेरिका दोनों द्वारा लाबिंग किया जाना स्वाभाविक है। जैसे-जैसे यूक्रेन में रूस की जंग तेज होती जा रही है, वैसे-वैसे रूस और नाटो देशों के बीच कूटनीतिक युद्ध भी तल्ख होता जा रहा है। इस दौरान भारत की पहली प्राथमिकता हजारों छात्रों सहित अपने नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी है। युद्ध के बीच यह कभी आसान नहीं रहता। हजारों छात्र भारत लौट आए हैं और उम्मीद करनी चाहिए कि सभी की सकुशल वापसी होगी। यह दुखद है कि कर्नाटक के एक छात्र की रूसी गोलाबारी में जान चली गई। वहीं एक छात्र का उपचार के दौरान निधन हो गया। हाल-फिलहाल अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति यूक्रेन के साथ है। दरअसल इस दौर में किसी देश का दूसरे देश पर आक्रमण करना अस्वीकार्य है। अपने सामरिक हितों को अनदेखा करने के लिए अमेरिका एवं यूरोपीय देशों से रूस की वाजिब शिकायतें थीं। वे रूस की पश्चिमी सीम पर स्थित देशों को नाटो सदस्य बनाने में लगे थे। इसे लेकर रूस ने यूक्रेन के मामले में एक लक्ष्मण रेखा खींच दी, जिस देश के साथ उसका गहरा ऐतिहासिक जुड़ाव रहा है। फिर भी ऐसे तमाम उकसावे के बावजूद यूक्रेन पर रूसी हमले को जायज नहीं ठहराया जा सकता। इस हमले ने नाटो देशों के समक्ष दुविधा उत्पन्न कर दी है। ऐसा इसलिए, क्योंकि एक तो रूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है। दूसरा यह कि दुनिया में परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा जखीरा भी उसके पास है। स्पष्ट है कि नाटो देश रूस का मुकाबला करने के लिए यूक्रेन में अपनी सेनाएं नहीं भेज सकते, क्योंकि इससे न केवल युद्ध के लंबा खिंचने, बल्कि परमाणु शक्तियों के सक्रिय होने से जोखिम और बढ़ जाएगा। ऐसे संघर्ष के लंबा खिंचने की कल्पना ही सिहरन पैदा कर सकती है। वहीं यह बात भी उतनी ही खरी है कि नाटो इस आक्रमण को अनदेखा नहीं कर सकता है। इसीलिए उसने त्रिस्तरीय रणनीति अपनाई है। पहली यही कि संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से रूस पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाना। दूसरे, यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति सहित हरसंभव सहयोग देना। तीसरा, रूस पर कड़े वित्तीय एवं अन्य प्रतिबंध लगाना ताकि उनसे कुपित रूसी नागरिक पुतिन के खिलाफ भड़क जाएं। जिस प्रकार के हालात बन रहे हैं उसमें तय है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की सरकार को भले ही कितना समर्थन मिले, लेकिन रूसी आक्रमण के आगे उनका प्रतिरोध लंबे समय तक नहीं टिकने वाला। इसका अर्थ यही होगा कि यदि संपूर्ण यूक्रेन नहीं तो उसका अधिकांश हिस्सा रूसी कब्जे में चला जाएगा। फिर पुतिन वहां अपनी कठपुतली सरकार बिठा देंगे। इसके बाद नाटो यही सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि रूसी समर्थन वाली ऐसी सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता न मिलने पाए। साथ ही साथ यह संगठन रूस पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने के अलावा प्रतिबंधों का शिकंजा और कसता जाएगा। यह तस्वीर काफी कुछ इस पर निर्भर करेगी कि यूक्रेनी अपनी जमीन पर किस प्रकार निरंतर विरोध कर पाएंगे। इस पूरे परिदृश्य के आकलन में तमाम अनिश्चितताएं जुड़ी हैं, जिनका भारत सहित सभी देशों पर प्रभाव पड़ेगा। इस मामले में रूस की खुलकर आलोचना करने के लिए अमेरिकी दबाव और रूस के साथ अपने रिश्तों को सुरक्षित रखने की दिशा में भारत ने अभी तक सधा हुआ रुख अपनाया है। भारत की यह सतर्कतापूर्ण नीति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से लेकर संयुक्त राष्ट्र के अन्य संगठनों की बैठकों में देखी जा सकती है। चूंकि भारत संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर मतदान से अनुपस्थित रहा तो इसका यह आकलन करना गलत होगा कि भारत की स्थिति स्थैतिक है। भारत अपने बयानों से अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है। ऊपरी तौर पर यह दिख सकता है कि भारत रूसी हमले पर आए प्रस्तावों पर मतदान से दूर रहा। इसे रूस के प्रत्यक्ष समर्थन के रूप में देखना गलता होगा। यूक्रेन से जुड़े विभिनन् पहलुओं को लेकर सुरक्षा परिषद में 21 फरवरी से चार मार्च के बीच कुल छह बैठकें हुईं। इन सभी बैठकों में भारत ने इसी बात पर जोर दिया कि विवादों का निपटारा संवाद, वार्ता और कूटनीति के जरिये किया जाए। उसने यह भी कहा कि सैन्य टकराव से बचना होगा। सुरक्षा परिषद की 21 फरवरी को हुई बैठक रूस द्वारा यूक्रेन के दो अलगाववादी प्रांतों को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता प्रदान करने के बाद हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

पुराने वाहनों को दिल्ली में नहीं मिलेगी एंट्री, 2 चीजें लगाना जरूरी वरना सड़क पर उतरते ही होंगे जब्त

नई दिल्ली। अगर आपके पास भी 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन हैं तो अगले कुछ महीनों के बाद दिल्ली की सड़कों पर इन्हें चलाने की गलती नहीं करें। वजह, बिना फिटनेस सर्टिफिकेट हासिल किए अगर आपने ऐसे वाहनों को देश की राजधानी दिल्ली की सड़कों पर उतारा तो इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दरअसल, केंद्र सरकार की ओर से पुराने वाहनों को सड़कों पर चलाने के लिए एक बड़ा बदलाव किया गया है। इसके तहत 10 साल पुराने डीजल वाहन और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को अपने पास फिटनेस सर्टिफिकेट आवश्यक रूप से लगाना रखना होगा। इतना ही नहीं, इस सर्टिफिकेट को अपनी गाड़ी के आगे वाले शीशे पर भी लगाना होगा। ऐसा नहीं करने वाले वाहनों का भारी-भरकम चालान किया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से इस नए नियम के बाबद फिटनेस संबंधी ड्राफ्ट जारी कर दिया है। हालांक, यह प्रस्ताव है और इसे लागू होने में कुछ समय लग सकता है। वायु प्रदूषण के मद्देनजर 10 और 15 साल पुराने वाहनों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से इस बाबत सख्ती की योजना बन चुकी है। इसके तहत पुराने वाहनों को नए सिरे से फिटनेस प्रमाण पत्र लेना होगा। इस प्रस्तावित नियम को लेकर अगर किसी को आपत्ति है सुझाव देना चाहता है कि वह एक महीने के भीतर भेज सकता है। प्रस्तावित नियम अथवा सरकार की ओर से जारी फिटनेस ड्राफ्ट के मुताबिक, अब पुराने वाहन मालिकों को सड़क पर वाहन उतारने से पहले विंड शील्ड पर फिटनेस सर्टिफिकेट लगाना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने वालों का भारी-भरकम चालान भी काटा जाएगा। सरकार की ओर से जारी ड्राफ्ट के अनुसार, वाहन चालकों को विंड सील्ड पर फिटनेस सर्टिफिकेट लगाना होगा, जिस पर साफ-साफ शब्दों में दिन महीने और साल लिखा होना चाहिए। जो नीले रंग बैकराउंड में पीले रंग में टाइप एरियल बोल्ड स्क्रिप्ट में प्रदर्शित किया जाएगा।गौरतलब है कि ड्राफ्ट के मुताबिक, आटो-रिक्शा के साथ-साथ ई-रिक्शा, ई-कार्ट और क्वाड्रिक साइकिल विंड स्क्रीन लगी है तो स्क्रीन के बाईं ओर के ऊपरी किनारे पर सूचना प्रदर्शित देनी होगी। वहीं, मोटरसाइकिल के मामले में इसे वाहन के साफ दिखाई देने वाले हिस्से पर प्रदर्शित करना होगा।गौरतलब है कि दिल्ली में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन चलाने पर प्रतिबंध लग चुका है। इसके तहत सड़क पर उतरने ही ऐसे वाहन सीज होंगे और इन्हें स्क्रैप पालिसी के तहत भेज दिया जाएगा। अब सख्ती के तहत ह दिल्ली में पुराने वाहनों के लिए अब यह नया नियम लागू किया गया है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत 06 मार्च से 18 मार्च, 2022 के मध्य प्रथम चक्र में होगा निशुल्क खाद्यान्न का वितरण

आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ता मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफिकेशन के माध्यम से भी कर सकते हैं खाद्यान्न प्राप्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर सुहास एल.वाई. के निर्देशों के क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी गौतम बुद्ध नगर चमन

शर्मा ने अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत आच्छादित अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को 06 मार्च से 18 मार्च 2022 तक खाद्यान्न, साबुत चना, रिफाइंड सोयाबीन आयल तथा आयोडाइज्ड नमक का ई-पोस मशीनों के माध्यम से गुणवत्ता परक निःशुल्क वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवश्यक वस्तुओं का वितरण दिनांक 6 मार्च 2022 से प्रारंभ होकर दिनांक 18 मार्च 2022 तक संपन्न होगा। उक्त अवधि में अंत्योदय कार्ड धारकों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न (20 किलोग्राम गेहूं तथा 15 किलोग्राम चावल) तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों से सम्बद्ध यूनिटों पर 5 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति यूनिट (3 किलोग्राम गेहूं व 2 किलोग्राम चावल का निःशुल्क वितरण लाभार्थियों में सुनिश्चित कराया जाएगा। अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न के साथ-साथ आयोडाइजड नमक, साबुत चना तथा रिफाइंड ऑयल का निशुल्क वितरण किया जाएगा। प्रत्येक अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी कार्ड धारक को 01 किलोग्राम आयोडाइज्ड नमक, 01 किलो ग्राम साबुत चना तथा 01 लीटर रिफाइंड सोयाबीन ऑयल का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। पांचों सामग्री का वितरण एक साथ निःशुल्क किया जाएगा।उन्होंने कहा कि राशन कार्ड धारकों को पोर्टेबिलिटी के अंतर्गत अनुमन्य समस्त पांचों सामग्री एक साथ प्राप्त करने की सुविधा उचित दर विक्रेता के स्टॉक में वस्तुओं की उपलब्धता की सीमा तक अनुमन्य रहेगी। इसके लिए पृथक से पोर्टेबिलिटी चालान जनरेट नहीं किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि उक्त योजना के तहत राशन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 18 मार्च 2022 होगी, जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल ओ.टी.पी. वेरिफिकेशन के माध्यम से खाद्यान्न का वितरण संपन्न कराया जाएगा। कोविड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों के दृष्टिगत आवश्यक वस्तुओं का निर्बाध रूप से वितरण सुनिश्चित कराने के लिए विक्रेताओं द्वारा प्रथम चक्र के वितरण के दौरान खाद्यान्न वितरण का कार्य प्रातः 6.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने जन सामान्य एवं उचित दर विक्रेताओं का यह भी आह्वान किया कि उनके द्वारा वितरण के समय उचित दर दुकानों पर सामाजिक दूरी बनाकर रखें और कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देश देते हुए कहा कि वह वितरण समाप्त होने तक अपनी उचित दर दुकान खुली रखेंगे एवं नोडल अधिकारी की उपस्थिति में वितरण करेंगे, यदि किसी भी उचित दर दुकानदार की घटतौली की शिकायत प्राप्त होती है तो, शिकायत की जांच में पुष्टि होने पर कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अतः राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा की सूची में सम्मिलित समस्त उपभोक्ता संबंधित उचित दर विक्रेताओं से अपनी-अपनी आवश्यक वस्तुएं प्राप्त करें और यदि कोई उचित दर विक्रेता आवश्यक वस्तु नहीं देता है, तो अपनी तहसील में संबंधित उप जिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी एवं क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी/पूर्ति निरीक्षक से शिकायत कर सकते हैं। उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी।

रविवार का अवकाश सरस मेले के लिए बना खास, उमड़ी भीड़

सिक्किम की हाथ की दस्तकारी और त्रिपुरा के बांस के उत्पाद की हुई बिक्री अरुणाचल के मसाले तथा गोवा के सजावट के सामान बने आकर्षक

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 33 नोएडा हॉट में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित सरस आजीविका मेले में रविवार को भारी संख्या में लोगों ने जमकर खरीदारी की। मेले में उमड़े जनसैलाब को देखते हुए रविवार का अवकाश मेले के लिए सुबह से ही खास बना रहा। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान ने मेले की सभी व्यवस्थाओं पर अपनी टीम को तैनात रखा। तथा कोविड-19 प्रोटोकॉल का भी खासा ध्यान रखा गया। वहीं मेले में सिक्किम की हाथ की दस्तकारी तथा त्रिपुरा के बांस के उत्पादों को लोगों ने सराहा तथा जमकर खरीदारी की।ईस्ट सिक्किम के ताल खरका से सबीना मखमली स्वयं सहायता समूह का संचालन करती है। साउथ सिक्किम से इंद्रकला सहारा स्वयं सहायता समूह का संचालन करती हैं। इनके उत्पादों में चिली, अचार, प्लास्टिक बैग,सिक्किम अदरक तथा हाथ की दस्तकारी के विभिन्न उत्पाद शामिल है। सिक्किम की हाथ की दस्तकारी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। वहीं साउथ सिक्किम के जोरेथम ब्लॉक की सेविका मांझी प्रगति स्वंय सहायता समूह का संचालन करती हैं। इनके साथ 13 महिला सदस्याएं काम करती हैं। इन के उत्पादों में वूलन क्लॉथ, बच्चों के सिक्किम सूट, टोपी तथा गुलदस्ते शामिल है। त्रिपुरा के डूकली ब्लॉक स्थित बस्ती पुरा की जुनूदास चौधरी उदयन

स्वयं सहायता समूह का संचालन करती हैं। इनके अधिकतर उत्पाद बांस द्वारा हाथ से निर्मित है, जिनमें विशेष तौर पर बंबू बोतल, ज्वेलरी बॉक्स, लंच बॉक्स, वूलन की माला तथा बच्चों का काथा शामिल है। बांस द्वारा निर्मित उत्पाद यहां आकर्षण का केंद्र बने हैं। अगरतला की कनिकादास सरकार कोहिनूर स्वयं सहायता समूह का संचालन करती हैं। इनके उत्पाद बांस तथा वेस्ट मटेरियल से निर्मित हैं। जिनमें बोतल, लंच बॉक्स के साथ अन्य उत्पाद शामिल हैं। अरुणाचल के मसाले तथा गोवा के सजावट के सामान बने आकर्षक अरुणाचल प्रदेश गयामर यजे के मंगनम स्वयं सहायता समूह का भी मेले में स्टाल लगा है। इनके उत्पादों में कोरिया पौष्टिक लड्डू, पापड़, अचार तथा कोरिया मसाले शामिल है। गोवा के पैरनेम से रतन्मल्ला मांजरेकर श्री देव ब्राह्मण रस्टोली स्वयं सहायता समूह का संचालन करती हैं इनके उत्पादों में ड्राई फरूट ज्वेलरी,टेबलपोश, हैंड पर्स, बेबी सूट, चिप्स,लड्डू तथा मास्क शामिल है। हर्वालेम गोवा के श्री शौर्यवन स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में सजावट के गुलदस्ते लोगों को खूब भा रहे हैं। समूह का संचालन स्मिता शबन बेरकेर करती है। उधर नोट गोवा के अरपोरा निवासी समीक्षा दिनेश ओम साईं स्वयं सहायता समूह का संचालन करती हैं। इनके उत्पाद में गुड़िया नारियल की सेल्स के बने चिड़िया के घोसले तथा घर की सजावट के उपकरण उपलब्ध है। बिजनौरी अचार तथा गुजराती बैग तथा बेडशीट पर उमड़े खरीददार उत्तर प्रदेश के बिजनौरी अचार तथा गुजरात के बैग व बेडशीट निरंतर नोएडा वासियों की पसंद बने हुए हैं। बिजनौर के भटौली में बबली शिव शंकर स्वयं सहायता समूह का संचालन करती हैं। इनके अचार उत्पादों में स्पेशल आम हींग अचार, पापड़,मसाले आंवला मुरब्बा तथा आंवला कैंडी शामिल है आम हींग अचार लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। वही गुजरात के सुरेंद्र नगर के ज्योति सखी सहायता समूह द्वारा निर्मित बैग तथा बेडशीट नोएडा वासियों की निरंतर पसंद बने हुए हैं। समूह का संचालन चंचल बेन करती हैं।

मिशन इंद्रधनुष के तहत टीकाकरण की सारी तैयारियां हुई पूर्ण आज से शुरू होगा अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। प्रदेश में कोविड-19 के चलते अन्य कारणों से नियमित टीकाकरण से छूट गए बच्चे और गर्भवती महिलाओं के लिए आज से सघन मिशन इंद्रधनुष 4.0 अभियान की शुरुआत होगी ।सघन टीकाकरण अभियान 3 चरणों में चलेगा, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ सुनील कुमार दोहरे ने बताया कि सघन मिशन इंद्रधनुष की शुरुआत आज से की जाएगी, पूरे अभियान को तीन चरणों में चलाया जाएगा। पहला अभियान आज से दूसरा 4 अप्रैल से और तीसरा 2 मई से आरंभ होगा । अभियान का मुख्य उद्देश्य नियमित टीकाकरण से छूट गए 0 से 2 साल तक के बच्चे एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण से आच्छादित करना है। इसके अंतर्गत नियमित टीकाकरण में जिन बच्चों का टीकाकरण नहीं हो सका है उन्हें चिन्हित कर उनका टीकाकरण किया जाएगा इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं को टीडी यानी टिटनेस डिफ्थीरिया का टीका लगाया जाएगा । इसके अतिरिक्त कोविड-19 टीकाकरण चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि पूरे अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए माइक्रो प्लान तैयार कर लिया गया है और सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है । उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप चुराया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। ऋषभ राज सिंह शनिवार को अपने दोस्त शिवम केसरवानी से मिलने के लिए सेक्टर-75 में गया था। बताया गया है कि इस दौरान उसने अपनी कार पार्किंग में खड़ी कर दी। इसके कुछ देर बाद जब ऋषभ राज लौट कर अपनी कार के पास आए तो कार का शीशा टूटा हुआ था। कार से लैपटाप सहित अन्य सामान से भरा बैग गायब था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा स्टेडियम के लॉन टेनिस ग्राउंड में विशाल रक्त दान शिविर

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। भारतीय सेना की एएफ़टीएस की टीम, गुरु तेग़ बहादुर हॉस्पिटल, जिला अस्पताल, पीजीआई फॉर चाइल्ड हेल्थ नॉएडा, जिम्स ग्रेटर नोएडा व नॉएडा रोटरी ब्लड बैंक की टीम रक्त लेने के लिए आईं। सभी आयु के नागरिकों के टीकाकरण का भी निशुल्क प्रबन्ध किया गया था। कान , नाक व गले के चेकिंग के लिए हॉस्पिटल के डॉक्टर का भी प्रबंध किया गया था। शिविर को यूनिट रक्तदान करने 643 दाता आए, 85 लोगों को फिर आने के लिए कहा और 558 रक्त यूनिट प्राप्त हुए और यह इस जिले का ही नहीं बल्कि शायद प्रदेश के लिए ही एक बड़ी सफलता थी।दाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई गर्णमान व्यक्तियों ने जिनमें प्रमुख थे जिला गौतम बुध नगर के सांसद डा0 महेश शर्मा ,सीईओ नॉएडा अथॉरिटी श्रीमती रितु माहेश्वरी , ब्रिगेडीयर डा0 राकेश गुप्ता, डा0 सुषमा चंद्रा , डा0 अजय सिंह, ट्रस्ट के चैयरमैन डा0 डी के मोदी, आदि ने स्वयं आकर उनका उत्साहवर्धन किया। आयोजक हृदयपूर्वक सभी दाताओं, प्रायोजकों, ब्लड बैंकों की सभी टीमों का आभार व्यक्त किया । आयोजक निष्ठा से सभी स्वयंसेवकों, नकद एवं वस्तुओं के स्वरूप में दान देनेवाले दाताओं का आभार व्यक्त करते हैं।लगभग 30 सदस्यों वाली ब्लड डोनेशन टीम ने इस कार्य का संचालन मन्दिर समिति के सदस्य और इस प्रोजेक्ट के डायरेक्टर व मुख्य प्रेरक ए के. गुप्ता के नेत्रतव में किया। आयोजकों में मैसर्स आर एन गुप्ता, ओ पी गोयल, जे एम सेठ, जी के बंसल, हरीश सभरवाल, इंदर पाल खंडपुर, संजीव बांधा, अंबेश भांबरी, करण अनेजा, मनोज गोयल, मेहक सिंह, राजीव अजमानी, विद्या रावत, शैल माथुर, मुक्ता गोयल , आर डबल्यू ए-56 के संजीव पुरी व संजय मावी,आदि ने दाताओं को नेक काम में योगदान करने के लिए प्रेरित किया।

नोएडा स्टेडियम मे मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। आज नोएडा स्टेडियम मे मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर

ट्रस्ट सेक्टर 56 ने किया इस मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प मे 1111 यूनिट ब्लड डोनेट होने के लक्ष्य रखा गया था जिसे सभी के सहयोग से पूरा हो गया ।लक्ष्मी नारायण मंदिर ट्रस्ट सेक्टर 56 नोएडा ने नोएडा मे इसका प्रचार प्रसार महीनों से कर रहे है जिसके कारण ही इतना बडा लक्ष्य पूरा किया गया।यह ट्रस्ट 2011 से ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन कर रहा है ।नोएडा की नामी गिरामी हस्तियाँ इसमें शामिल हुए ।गौतम बुद्ध नगर जिले के सांसद डा महेश शर्मा एन आई ई के अध्यक्ष विपिन मल्हन भी पहुंचे ।नोएडा प्राधिकरण की सी ओ रितु माहेश्वरी ने भी पहुंच कर उत्साह वर्धन किया। नवरतन फाउण्डेशन,नव उर्जा संस्था,मंगलम संस्था न, जिला अस्पताल , एम्स दिल्ली, सैनिक अस्पताल आदि लोगों ने बढ चढ कर सहभागिता निभाई ।यह कैम्प नोएडा स्टेडियम में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला ।इसमें युवाओं की अपार भीड देखने को मिली ।जिसमें भारी उत्साह भी दिखा। इस तरह के आयोजन से जिला एवं प्रदेश आत्मनिर्भर बनने के रास्तों पर अग्रसर होते हैं ।

दविश देकर अवैध शराब जब्त की गयी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर51, बहलोलपुर, गढ़ी चौखंडी,दादरी मे दविश देकर 419.3 लीटर शराब जब्त की गयी । जिसमें चार लोग पंजीकृत है। गौतम बुद्ध नगर जिले के समस्त आबकारी निरीक्षकों द्वारा दविश देकर कुल 419.3ब0ली0 अवैध शराब बरामद किया गया। एवं आबकारी निरीक्षक क्षेत्र1व2 द्वारा होशियार पुर हिटलर पार्क के पास दविश देकर एक अभियुक्त गौरव चौधरी पुत्र रामचरित्र को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा63 केअंतर्गत जेल भेजा गया। एवंआबकारी निरीक्षकों द्वारा बहलोलपुर,गुलिस्तानपुर, साकीपुर, अमृतपुरम में कबाडियों से सम्पर्क कर शराब की खाली शीशियों के इकट्ठा करनेऔर बेचने के बारे में पूछताछ किया गया।

बाइक बोट घोटाले में बिजेंद्र हुड्डा बना सबसे बड़ा खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले के इतिहास में अभी तक के सबसे बड़े घोटाले के रूप में माने जा रहे बाइक बोट घोटाले में इंटरपोल, सीबीआई, ईडी, एसआईटी समेत विभिन्न राज्यों की 17 जांच एजेंसियां जांच में जुटी है। लेकिन अभी तक किसी के भी हाथ इस घोटाले का सबसे बड़ा खिलाड़ी माने जा रहे बिजेन्द्र हुड्डा तक नहीं पहुंच सके हैं। उसके खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी होने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला है और अब शासन ने उस पर पांच लाख का इनाम घोषित किया है।बाइक बोट कंपनी की स्थापना संजय भाटी ने की थी और उसे ही इस कंपनी का मालिक माना जाता है। लेकिन जांच अधिकारियों की मानें तो इस घोटाले में सबसे अहम कड़ी अब बिजेन्द्र हुड्डा है, जो कंपनी में नंबर दो की हैसीयत रखता था और संजय भाटी को सभी बड़े लोगों से मिलाने में उसका ही अहम रोल था। घोटाले में वह संजय भाटी से भी बड़ा खिलाड़ी है। जो इस मामले में वर्ष 2019 में पहला मुकदमा दर्ज होने के बाद ही देश छोड़कर विदेश भाग गया है और विदेश में उसके द्वारा बड़े पैमानें पर ठगी का पैसा निवेश करने के भी दावे किए जा रहे हैं। वह कौन से देश में और कब से छिपा हुआ है। जिसके लिए जांच एजेंसियों ने विदेश मंत्रालय से भी मदद मांगी है। पुलिस का कहना है कि बिजेन्द्र हुड्डा के पकड़

में आने के बाद ही घोटाले की सही रकम का खुलासा होगा और यह भी पता चलेगा कि इस रकम का कहां-कहां निवेश किया गया है। बाइक बोट घोटाले में शासन ने बिजेन्द्र हुड्डा के अलावा संजय भाटी की पतनी दीप्ती बहल, लोकेन्द्र सिंह और भूदेव पर भी पांच-पांच लाख का इनाम घोषित किया है। इन चारों आरोपियों को इस मामले में दर्ज 106 मुकदमों में आरोपी बताया गया है। दीप्ती बहल के लोनी स्थित मकान को भी करीब एक साल पहले कुर्क किया जा चुका था। लेकिन फिर भी उसका कहीं कोई सुराग नहीं लगा था। हजारो करोड़ के बाइक बोट घोटाले में आरोपियों की संपत्ति भी जब्त की जा रही है। ईडी और पुलिस के द्वारा अभी तक इस मामले में 216.09 करोड़ की आरोपियों की संपत्तियों को भी जब्त किया जा चुका है। जबकि उनकी अन्य संपत्ति चिन्हित की जा रही है और यह संपत्ति भी जब्त करने का दावा पुलिस अधिकारी कर रहे हैं। सीबीआई ने अधिकारियों पर भी लगाये थे आरोप बाइक बोट घोटाले को लेकर सीबीआई के द्वारा भी मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। इस मुकदमें में सीबीआई ने दो लाख से अधिक लोगों से 15 हजार करोड़ की ठगी का आरोप लगाया है। बोट घोटाले में सीबीआई द्वारा दर्ज मुकदमें गौतमबुद्धनगर जिले के पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों तथा एसपी क्राइम और एसएसपी पर भी आरोप लगाये हैं। सीबीआई के एएसपी कप्तान सिंह लोचब ने इस मुकदमे में 11 मामलों को मर्ज किया है, जिसमें डायरेक्टर संजय भाटी सहित 15 लोगों को आरोपी बनाया गया है। दर्ज मुकदमें में तत्कालीन नोएडा एसएसपी और एसपी क्राइम का जिक्र है। दोनों अफसरों पर आरोप है कि उन्होंने पीड़ितों पर केस वापसी के लिए दबाव बनाया। इसमें यह भी लिखा गया है कि यह प्रकरण गौतमबुद्धनगर जिले के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की जानकारी में था, लेकिन उन्होंने तत्काल इस मामले में कार्रवाई नहीं की।

मुकेश सहनी का 20 से पहले हो जाएगा हिसाब किताब भाजपा के वरीय नेता ने दिए संकेत

मुजफ्फरपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही बिहार का राजनीतिक तापमान तेजी से बढ़ने लगा है। एक ओर जहां बिहार एमएलसी चुनाव 2022 की सरगर्मी तेज हो गई है वहीं यूपी चुनाव का आफ्टर इफेक्ट भी यहां देखने को मिल रहा है। विशेषकर सीएम नीतीश कुमार के मंत्री मुकेश सहनी की पार्टी वीआइपी व भाजपा के बीच जारी विवाद का। माना जा रहा है कि अब यह विवाद भी अपने परिणाम की ओर ही बढ़ रहा है। बीजेपी के एक वरीय नेता ने इस दिशा में संकेत भी दिए हैं। एक निजी समाचार चैनल से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि 20 मार्च से पहले ही पार्टी उनके बारे में फैसला ले लेगी। इसका स्वरूप क्या होगा, इसके बारे में उन्होंने कुछ भी नहीं कहा। उत्तर प्रदेश चुनाव में अपने अपने दलों के लिए प्रचार करने के बाद बिहार के राजनेता अब वापस आ गए हैं। यहां पहुंचने के साथ ही बयानों का दौर शुरू हो गया है। बिहार भाजपा के उपाध्यक्ष और मुजफ्फरपुर के सांसद अजय निषाद एक बार फिर मुखर हो गए हैं। इस बार उन्होंने वीआइपी के साथ ही साथ कांग्रेस पर भी निशाना साधा है। उन्होंने बिहार और बिहारी को लेकर कांग्रेस के विभिन्न नेताओं की ओर से दिए जा रहे बयानों को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है।

मार्च के तीसरे हफ्ते में 34-35 डिग्री सेल्सियस होगा बिहार का अधिकतम तापमान, आज कैसा रहेगा मौसम

पटना। मौसम का तेवर हर दिन बदल रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, पूरे प्रदेश में पछुआ हवा का प्रवाह निरंतर बना हुआ है। इसके प्रभाव से प्रदेश में अगले पांच दिनों तक मौसम शुष्क बने होने के साथ आकाश साफ रहेगा। तीन दिनों के बाद तापमान में आंशिक वृद्धि का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञानी ने बताया कि मार्च के तीसरे सप्ताह में प्रदेश का अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है वहीं, रविवार को पटना का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा 30.5 तो न्यूनतम सामान्य से दो ज्यादा 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, 12.4 डिग्री सेल्सियस के साथ औरंगाबाद सबसे ठंडा शहर रहा, जबकि 32.6 डिग्री के साथ बांका सबसे गर्म रहा। वहीं, प्रदेश का न्यूनतम तापमान 14 से 16 तो अधिकतम 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

सनी लियोनी स्टारर 'अनामिका' के साथ इस हफ्ते आएंगी ये वेब सीरीज और फिल्में, देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली। मार्च का महीना सिनेमाघरों के लिए तो काफी अहम है। हर हफ्ते एक से बढ़कर एक फिल्म रिलीज हो रही है। 4 मार्च को अमिताभ बच्चन की झुंड के बाद अब 11 मार्च प्रभास की राधे श्याम सिनेमाघरों में आ रही है। यह 2022 की बहुचर्चित फिल्मों में शामिल है। राधे श्याम तेलुगु और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं के साथ हिंदी में भी बड़े पैमाने पर रिलीज की जा रही है। वहीं, ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हर हफ्ते अहम वेब सीरीज रिलीज हो रही हैं। इनमें कुछ नई हैं तो कुछ के अगले सीजन स्ट्रीम किये जा रहे हैं। 9 मार्च को नेटफ्लिक्स पर द लास्ट किंगडम का पांचवां सीजन स्ट्रीम किया जाएगा। यह नेटफ्लिक्स की बेहद चर्चित सीरीजों में से एक है। ब्रिटिश हिस्टोरिकल फिक्शन टीवी सीरीज का पहला सीजन 2018 में नेटफ्लिक्स पर आया था और अब तक 4 सीजन आ चुके हैं। इसकी कहानी सेक्सन स्टोरीज नाम की बुक सीरीज से ली गयी है। यह ब्रिटिश पीरियड टीवी सीरीज है, जो सेक्सन स्टोरीज पर आधारित है। यह ब्रिटिश इतिहास के उस दौर को दिखाती है, जब इंग्लैंड कई छोटे-छोटे स्वतंत्र कबीले जैसे राज्यों में बंटा हुआ था। कहानी के केंद्र में उट्रेड नाम का एक वॉरियर है। 10 मार्च को एमएक्स प्लेयर पर जासूसी वेब सीरीज अनामिका रिलीज होगी। इस सीरीज में सनी लियोनी शीर्षक किरदार निभा रही हैं। अनामिका अपनी याद्दाश्त खो चुकी है, मगर उसका अतीत उसके पीछे पड़ा है। इस सीरीज का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया है। गन-फू जॉनर की अनामिका वेब सीरीज में कुल 8 एपिसोड्स हैं। समीर सोनी, सोनाली सहगल, राहुल देव, शहजाद शेख और अयाज खान ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। अनामिका हिंदी के साथ मराठी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कनन्ड़ में

भी रिलीज होगी। डिजनी प्लस हॉटस्टार पर एनिमेशन फिल्म टर्निंग रेड आ रही है। यह फिल्म किशोरवय लड़कियों की परेशानियों के बारे में है, जो टीनेज होने पर उन्हें मानसिक और शारीरिक तौर पर पेश आती हैं। फिल्म में प्रिया के किरदार को मैत्रेयी रामकृष्णन ने आवाज दी है, जो भारतीय मूल की कनाडाई कलाकार हैं और वेब सीरीज दी दुनिया का परिचित नाम हैं। अमेजन प्राइम वीडियो पर अपलोड का दूसरा सीजन स्ट्रीम किया जाएगा। यह साइंस फिक्शन कॉमेडी ड्रामा सीरीज है। पहला सीजन 2020 में स्ट्रीम किया गया था। इसकी फ्यूरिस्टिक कहानी 2033 में स्थापित की गयी है, जब इंसान खुद को अपनी मर्जी की आफ्टर लाइफ में अपलोड कर सकता है। नेटफ्लिक्स पर साइंस फिक्शन अंग्रेजी फिल्म द एडम प्रोजेक्ट स्ट्रीम होगी। कहानी के केंद्र में ट्रैवलिंग फ्लाइट पायलट एडम रीड है, जो एक क्रैश लैंडिंग के बाद 2022 में पहुंच जाता है और यहां अपने 12 साल के वर्जन के साथ भविष्य को बचाने निकलता है। फिल्म में रायन रेनोल्ड्स, मार्क रफेलो और जेनिफिर गार्नर मुख्य किरदारों में नजर आएंगे। जी5 पर जिंदगी ओरिजिनल के तहत मिस्टर एंड मिसेज शमीम रिलीज होगी। इस सीरीज में पाकिस्तानी एक्ट्रेस सबा कमर और नौमान इजाज मुख्य भूमिकाओं में हैं। सीरीज का निर्देशन काशिफ निसार ने किया है। सीरीज का लेखन सज्जाद गुल ने किया है।

जान्हवी कपूर के बर्थडे की अनदेखी तस्वीरें आई सामने, पार्टी में अंशुला और खुशी कपूर संग मस्ती करती आई नजर

नई दिल्ली। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने 6 मार्च को अपना 25वां जन्मदिन मनाया। जिसकी कई सारी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। इसके अलवा एक्ट्रेस की बहन अंशुला कपूर ने भी बर्थडे बैश की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा की है। जिनमें जान्हवी और अंशुला के साथ खुशी कपूर और बोनी कपूर भी नजर आ रहे है अंशुला कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेलिब्रेशन का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें वह जाह्नवी को गले लगाती नजर आ रही हैं। उन्होंने वीडियो में 'सेज द जेमिनी' का गाना 'टिक टिक बूम' भी लागाया है। पोस्ट शेयर करते हुए अंशुला ने क्लिप के कैप्शन में लिखा, मेरी तस्वीर में दोनों बहने नाइट शूट में पहने दिख रही हैं और पार्टी का थीम नियोन नजर आ रहा है। इसके अलावा अंशुला कपूर ने इंस्टा स्टोरी में बर्थडे पार्टी के डेकोरेशन की झलक भी दिखाई। जिसमें हल्के और गहरे गुलाबी रंग के गुब्बारे नजर आ रहे हैं। इसके साथ में दो बड़े नियॉन साइन भी दिखे। एक में लिखा था आल यू नीड इज लव (आपको सिर्फ प्यार की जरूरत है और दूसरा में जान्हवी

के नाम का पहला अक्षर लिखा था। इसके अलावा एक्ट्रेस के फैन पेज ने भी उनके बर्थडे की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की। जिनमें जान्हवी अपनी फैमिली संग केक काटती नजर आईं। अंशुला ने जान्हवी को बर्थडे विश करने के लिए इंस्टाग्राम पर एक प्यारा पोस्ट भी लिखा था। उन्होंने अपनी और जान्हवी की एक तस्वीर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा था, 'हैप्पी बर्थडे लवर जान्हवी कपूर!! एक साल बड़ा एक साल साहसी! यहां एक साथ हंसने, एक-दूसरे को परेशान करने, एक साथ खाने के वीडियो पर लार टपकाने, एक साथ रोने, एक साथ खिलवाड़ करने, एक साथ इमो फिल्में देखने और एक-दूसरे से प्यार करने का एक और साल आ गया है! तुम मेरी हो, मैं तुमसे प्यार करती हूं (तुम तिरामिसु से जितना प्यार करती हो उससे ज्यादा)।' इसके साथ ही अंशुला ने हंसने वाली इमोजी भी पोस्ट में बनाई। अंशुला के इस पोस्ट पर जान्हवी ने कमेंट करते हुए लिखा, 'मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं।वक्र फ्रंट की बात करें तो जान्हवी जल्द ही आनंद एल राय की फिल्म 'गुड लक जेरी' में नजर आएंगी। इसके अलावा जाह्नवी 'तख्त', 'मिली' और 'दोस्ताना 2' में भी अभिनय करते दिखेंगी।

'लव हॉस्टल' के बाद सान्या मल्होत्रा ने शुरू की 'कथल' की शूटिंग, फिल्म के सेट से साझा कीं तस्वीरें

नई दिल्ली। हाल ही में 'लव हॉस्टल' में नजर आई एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने अगले प्रोजेक्ट 'कथल' की शूटिंग शुरू कर दी है। जिसकी कई सारी तस्वीरें एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा की है। सान्या ने चंद दिनों पहले ही नेटफ्लिक्स की इस

फिल्म की जानकारी दी थी और अपने किरदार से जुड़ी डिटेल्स भी साझा की थी। फिल्म में वह महिमा नाम की एक युवा पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाई देंगी। 'दंगल' गर्ल सान्या मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'कथल' के सेट से फोटोज की एक सीरीज शेयर की है। इनमें कैमरे से लेकर क्लैपिंग बोर्ड, क्रू मेम्बर्स और सान्या के स्टाइलिस्ट की तस्वीरें शामिल हैं। सान्या मल्होत्रा की इस फिल्म का निर्देशन यशवर्धन मिश्रा कर रहे हैं, यह उनकी निर्देशक के रूप में डेब्यू फिल्म है। निर्देशन के अलावा उन्होंने पुरस्कार विजेता लेखक अशोक मिश्रा के साथ फिल्म को लिखा भी है। फिल्म का निर्माण गुनीत मोंगा, एकता कपूर, अचिन जैन और शोभा कपूर कर रही हैं। कथल एक महिला केंद्रित फिल्म है जिसकी कहानी एक स्थानीय राजनेता के इर्द-गिर्द घूमती है। जिसका बेशकीमती कटहल (कथल) गायब हो जाता है और इसे ढूढने की जिम्मेदारी सान्या मल्होत्र द्वारा निभाई गई युवा पुलिस अधिकारी महिमा को मिलती है। खुद की काबिलियत साबित करने के लिए महिमा इस केस को सुलझाने के लिए कड़ी मेहनत करती है। 'कथल' में सान्या के साथ अभिनेता अनंत जोशी भी अहम किरदार बता दें कि सान्या इस फिल्म से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर वापसी करने जा रही हैं। इससे पहले उन्हें नेटफ्लिक्स की फिल्म 'लूडो', 'पगलैट' और 'मीनाक्षी सुंदरेश्वर' में काम किया है। बीते रविवार को सान्या ने 'कथल' की कुछ फोटोज भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। पोस्ट को शेयर करते हुए सान्या ने कैप्शन में लिखा, 'ड्रामा, सस्पेंस और कॉमेडी से भरपूर एक केस, सिर्फ एक चीज की कमी है 'कथल।' वक्र फ्रंट की बात करें तो सान्या 'कथल' के अलावा मलयालम फिल्म 'द ग्रेट इंडियन किचन' के हिंदी रीमेक में भी दिखाई देंगी।

किरण खेर ने पति अनुपम खेर को दीं बर्थडे की शुभकामनाएं लिखा- प्यार भरा पोस्ट

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर सोमवार को अपना 67वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर उन्हें फैंस और उनके चाहने वाले सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर

कर शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी बीच उनकी पत्नी किरण खेर ने प्यार भरा पोस्ट साझा कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। किरण खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर कर पति अनुपम खेर को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, प्यारे, पति, दोस्त अनुपम खेर सपोर्ट और मेरे प्यार को बर्थडे की ढ़ेर सारी शुभकामनाएं। भगवान आपको हमेशा स्वस्थ और सुरक्षित रखे। वहीं, उनके बेटे और बॉलीवुड सेलेब्स ने भी उन्हें जन्मदिन की मुबारकबाद दी हैं। इससे पहले अभिनेता ने अपना न्यू विज़न और अपनी बॉलीवुड यात्रा को भी साझा किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, मुझे बर्थडे मुबारक हो। आज जब मैं अपना 67वां वर्ष शुरू कर रहा हूं, मैं अपने लिए एक नया विजन पेश करने के लिए प्रेरित और उत्साहित हूं। ये तस्वीरें पिछले कुछ सालों में मेरे द्वारा की गई धीमी प्रगाति का एक उदाहरण हैं। उन्होंने आगे लिखा, 37 साल पहले आप एक युवा अभिनेता से मिले, जिसने सबसे अपरंपरागत तरीके से आपनी यात्रा को शुरू किया और एक 65 साल के व्यक्ति की भूमिका निभाई थी। अपने पूरे करियर में मैंने एक कलाकार के रूप में हर एक रास्ते को खोजने की कोशिश की है। लेकिन एक सपना है जो मेरे अंदर हमेशा से था। लेकिन उसे हकीकत बनाने के लिए कभी कुछ नहीं किया। मेरे सपना था कि मैं अपनी फिटनेस को काफी गंभीरता से लूं और अपने आप को सबसे अच्छे वर्जन के रूप में देखूं और महसूस करूं। बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही विवेक रंजन अगिन्होत्री के निर्देशन में बनी फिल्म फिल्म कश्मीर फाइल्स में नजर आने वाले हैं। कश्मीरी पंडितों की हत्या और आत्याचार पर आधारित इस फिल्म में अनुपम खेर में पुष्कर नाथ पंडित का किरदार निभाया है, जोकि फिलॉसफी के एक रिटायर्ड प्रोफेसर होते हैं। ये फिल्म 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा अभिनेता सूरज बड़जात्या की ऊंचाई में अमिताभ बच्चन, परिणीति चोपड़ा और बोमन ईरानी के साथ मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं

एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने पूरी की 'जोगीरा सारा रा रा' की डबिंग कहा- 'आप लोगों को इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकती'

नई दिल्ली। एक्ट्रेस नेहा शर्मा अपने लुक और फैंशन सेंस को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। साथ ही वो अपनी आगामी फिल्मों से जुड़े अपडेट भी फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। अब जानकारी आ रही हैं कि अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म जो गी रा सारा रा रा की डबिंग को खत्म कर लिया है। इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म की शूटिंग को पिछले साल फरवरी में लखनऊ, बनारस और मुंबई जैसी लोकेशन पर फिल्माया गया है। फिल्म की डबिंग पूरी होने की जानकारी को एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया

है, जिसमें वो फिल्म की डबिंग पूरी होने पर खुशी जाहिर कर रही हैं। इस पोस्ट को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर उन्होंने लिखा, और ये हो गया आप लोगों को इसे देखने का इंतजार नहीं कर सकती बता दें, फिल्म में नेहा शर्मा के साथ अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। नवाजुद्दीन के अलावा फिल्म में संजय मिश्रा भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। फिल्म जोगीरा सारा रा रा के द्वारा नेहा शर्मा पहली बार नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्क्रीन स्पेश साझा करती हुई दिखेंगी। इस फिल्म का निर्माण टचवुड मल्टीमीडिया क्रिएशंस के नईम ए सिद्दीकी द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म को इस साल के अंत में रिलीज किया जा सकता है। नेहा शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की है। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साल 2007 में आई तेलुगु फिल्म 'चरत' से की है, इस फिल्म में उन्होंने चरण तेज के साथ अहम किरदार निभाया है। वहीं आपको बता दें कि अभिनेत्री ने साल 2010 में मोहित सूरी की फिल्म 'क्रूक' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इस फिल्म में उन्होंने इमरान हाशमी के अपोजिट अपनी किरदार निभाया है। लेकिन उनकी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी। इसके बाद उन्होंने 'यंगिस्तान', 'क्या सुपर कूल हैं हम', 'तेरी मेरी कहानी' जैसी फिल्मों में अहम किरदार निभाएं हैं।

परिणीति चोपड़ा ने स्कूबा डाइविंग करते हुए शेयर की तस्वीरें, बहन प्रियंका चोपड़ा ने किया ऐसा कमेंट

नई दिल्ली। परिणीति चोपड़ा इन दिनों कलर्स के शो 'हुनरबाज-देश की शान' में जज की कुर्सी संभालते हुए नजर आ रही हैं। इश्कजादे गर्ल परिणीति चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और वह अक्सर अपनी खूबसूरत तस्वीरों से फैंस का दिल जीत लेती हैं। हाल ही में परिणीति चोपड़ा ने स्कूबा डाइविंग करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की, और इस तस्वीर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करने के साथ ही परिणीति चोपड़ा ने अपने चाहने वालों को सरप्राइज देते हुए बताया कि वह जल्द ही कुछ नया लेकर आ रही

हैं। उनकी इस तस्वीर पर बहन प्रियंका चोपड़ा ने भी कमेंट किया।परिणीति चोपड़ा ने तस्वीर को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इस तस्वीर में उन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट स्कूबा डाइविंग का आउटफिट पहना हुआ है और वह स्माइल करती हुई नजर आ रही हैं। उनकी इस तस्वीर को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए परिणीति चोपड़ा ने लिखा, 'समुद्र में डुबकी लगाए और इस किट को पहने हुए 9 साल हो गए हैं और कुछ कूल आपके लिए लेकर आ रही हूं'। परिणीति चोपड़ा की इस तस्वीर पर कमेंट करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने अपनी बहन की तारीफ की और उन्हें 'खूबसूरत' बताया। प्रियंका ने लिखा, 'बहुत ही खूबसूरत'।स्कूबा डाइविंग करते हुए परिणीति चोपड़ा के फैंस को भी उनकी ये नैचुरल तस्वीर बहुत ही पसंद आ रही है। एक यूजर ने उनकी इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, 'आप सच में वॉटर बेबी हो'। अन्य यूजर ने लिखा, 'बिलियन डॉलर स्माइल'। अन्य यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'आपके चेहरे पर ये जो ग्लो है वह वाकई में बहुत ही खूबसूरत है'। उनकी इस तस्वीर को अब तक तीन लाख से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। परिणीति चोपड़ा अक्सर अपने एडवेंचर्स तस्वीरें अपने प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। स्कूबा डाइविंग करते हुए परिणीति चोपड़ा के फैंस को भी उनकी ये नैचुरल तस्वीर बहुत ही पसंद आ रही है। एक यूजर ने उनकी इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, 'आप सच में वॉटर बेबी हो'। अन्य यूजर ने लिखा, 'बिलियन डॉलर स्माइल'। अन्य यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'आपके चेहरे पर ये जो ग्लो है वह वाकई में बहुत ही खूबसूरत है'। उनकी इस तस्वीर को अब तक तीन लाख से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। परिणीति चोपड़ा अक्सर अपने एडवेंचर्स तस्वीरें अपने प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। बड़े परदे पर अपने अभिनय का जादू फैंस के ऊपर चलाने के बाद परिणीति चोपड़ा रिएलिटी शो के जरिए टीवी की दुनिया में भी कदम रख चुकी हैं। वह करण जौहर और मिथुन चक्रवर्ती के साथ मिलकर टैलेंट शो 'हुनरबाज-देश की शान' को जज कर रही हैं। यह शो शनिवार और रविवार को रात 9 बजे प्रसारित होता है। शो को भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया होस्ट कर रहे हैं। परिणीति चोपड़ा के बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही ऊंचाई, एनिमल और ऋभुदास सेन गुप्ता की अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आने वाली हैं।

'बड़ी मां' शर्मिला टैगोर के साथ दिखे जेह अली खान, देंखे अनमोल तस्वीर

नई दिल्ली। सैफ अली खान की बहन सबा अली खान अपने परिवार के सदस्यों और पैतृक घर पटौदी पैलेस की तस्वीरें फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। अब सोमवार को उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक अपनी मां शर्मिला टैगोर की अनदेखी तस्वीर शेयर की हैं, जिसमें वो सैफ और करीना के छोटे बेटे जेह के साथ वक्त बीता रही हैं। इस तस्वीर को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। फोटो में दिग्गज एक्ट्रेस अपने पोते जेह के साथ वक्त बीताती हुई दिख रही हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस अपने पोते के साथ एक खिलौने से खिला रही हैं, जबकि जेह खिलौने की ओर काफी गोर से देख रहे हैं। इस अनमोल फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, बड़ी मां और जेह बाबा। बॉन्ड दाद-दादी विशेष माता-पिता होते हैं। वहीं, रविवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक तैमूर की एक तस्वीर शेयर की थी। जिसमें तैमूर एक कुर्सी पर अपने दादा मंसूर अली खान पटौदी के तरह पोज देते हुए दिख रहे हैं। फोटो में तैमूर व्हाइट कलर के कुर्ता पयाजा पहने हुए बेहद क्यूट दिख रहे हैं। इस

तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन लिखा, माय ब्वॉय छोटे नवाब एक शाही की तरह लाउंजिंग। आपको बात दें कि ये कोई पहली बार नहीं है जब सबा ने अपने इंस्टाग्राम पर थ्रोबैक तस्वीरों को शेयर किया है। वो अक्सर अपने ऑफिशियल अकाउंट पर पटौदी पैलेस और परिवार के साथ की पुरानी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इससे पहले भी वो कई बार अपने परिवार और परिवार के सभी सदस्यों की थ्रोबैक तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वो केवल सारा, इब्राहिम ही नहीं बल्कि तैमूर अली खान और इनाया खेमू की भी अनदेखे फोटोज फैंस के साथ शेयर करती हैं। जानकारी के अनुसार सबा पेशे से ज्वैलरी डिजाइनर हैं और वो इंस्टाग्राम पर अपने परिवार की अक्सर पुरानी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वहीं, बात अगर सैफ अली खान के वर्कफ्रंट की करें तो वो ओम राउत के निर्देशन में बनी फिल्म आदिपुरुष में नजर आने वाल हैं। इस फिल्म में वो लंकेश यानी रावण के अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म में सैफ के अलावा बाहुबली फेम प्रभास और एक्ट्रेस कृति सेनन राम और सीता के किरदार निभा रहे हैं। ये फिल्म रामायण महाकाव्य पर आधारित है। ये फिल्म हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगू, कनन्ड़ और मलयालम में भी रिलीज की जाएगी। इसके अलावा अभिनेता विक्रम वेधा के हिंदी रीमेक में नजर आने वाले हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।